Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 164
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,13 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने .. | 4 सर्फ 2000 रुपये में शुरू करें अपना खुद का | 8 सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

एआई हमारे लिए सुविधा, तकनीक मानव से संचालित हो, इंसान तकनीक से नहीं: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृत्रिम मेधा (एआई) के सही दिशा, भरोसे और बेहतर समावेशन के साथ उपयोग पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि तकनीक मानव द्वारा संचालित होनी चाहिए, न कि इंसान तकनीक से संचालित हो। मुख्यमंत्री ने राज्य की राजधानी लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश एआई एवं स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगले दो दिन तक इस सम्मेलन में कई अहम विषयों पर चर्चा की जाएगी, लेकिन वह इतना अवश्य कहना चाहेंगे कि एआई हमारी सुविधा के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं इस बारे में अवश्य कहना चाहूंगा कि एआई हमारे लिए सुविधा है। यह हमारे लिए सहायक बनेगा, हमारे कार्यों को आसान बनाएगा और हमारे दृष्टिकोण को नयी ऊंचाई देने में योगदान करेगा, लेकिन हमें यह अवश्य ध्यान रखना होगा कि कोई भी तकनीक मानव द्वारा संचालित होनी चाहिए, मानव उसके द्वारा संचालित न हो। आदित्यनाथ ने कहा, एआई सही दिशा, भरोसे और समावेशन के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सटीक और न्यायसंगत बना सकता है। तकनीक जब संवेदना से जुड़ती है, नीति जब नवाचार से संचालित होती है और शासन जब विश्वास पर आधारित होता है, तभी विकास समावेशी बनता है और भविष्य सुरक्षित होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में वैश्विक सोच, नवाचार और निवेश का अग्रणी केंद्र बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एआई, सेमीकंडक्टर, मिड टेक और डिजिटल नवाचार के माध्यम से उत्तर प्रदेश एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने एआई का उपयोग केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि यूपी एग्रीस में भी किया है और उत्तर प्रदेश ऐसा पहला राज्य है जिसने विश्व बैंक के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया है। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्याप्त धांधली को रोकने के लिए ई-पॉज मशीनें लगाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद राशन वितरण में गड़बड़ियों की शिकायतों पर प्रदेश की उचित मूल्य की सभी 80 हजार दुकानों पर ई-पॉज मशीनें लगवाई गईं और डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से निगरानी की गई। उन्होंने कहा कि इन दुकानों पर छापेमारी भी की गई। इसका परिणाम यह है कि आज धांधली की एक भी शिकायत नहीं आती है। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्लशासन का विश्वास अर्जित करने और शासन के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर उतारने में तकनीक कैसे बदलाव ला सकती है, यह उसका एक उदाहरण है। ऐसे अनेक उदाहरण हमने पिछले 11 वर्षों के दौरान धरातल पर उतरते देखे हैं। उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न पेंशन योजनाओं की राशि पात्र लोगों के बैंक खातों में सीधे अंतरित किए जाने का भी उल्लेख करते हुए कहा, इससे लोगों को योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ मिल रहा है। अब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब शासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होता है तो योजनाएं तेजी से आगे बढ़ती दिखाई देती हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस...

सीएम धामी ने स्वदेशी संकल्प दौड़ का किया शुभारंभ

देहरादून (एजेंसी)। राष्ट्रीय युवा दिवस पर सीएम धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत का संदेश देश की मजबूत नींव के लिए युवाओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क देहरादून में स्वदेशी संकल्प दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनको नमन किया। इस दौरान सीएम ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को उन्होंने सम्मानित भी किया। सीएम धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत का संदेश देश की मजबूत नींव के लिए युवाओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र के संकल्प की ओर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने वोकल फॉर लोकल के संदेश को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया जैसे अभियान सबको मिलकर आगे बढ़ाने होंगे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अनुशासन अपनाने, शिक्षा-कौशल विकास पर जोर देने तथा राष्ट्र कर्तव्यों का पालन करने का विशेष आह्वान किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को पूरा देश स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती मना रहा है। रामकृष्ण मठ और मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में, मंगल आरती और विशेष प्रार्थनाओं के साथ उत्सव की शुरूआत सुबह जल्दी हो गई। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को तत्कालीन कलकत्ता में नरेंद्रनाथ दत्ता के रूप में हुआ था। उनकी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और मिशन की विभिन्न शाखाओं ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जुलूस निकाले, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वामी विवेकानंद ने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया-मुर्मू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को स्वामी

विवेकानंद की जयंती पर कहा कि उन्होंने भारतीयों में राष्ट्रीय गौरव का संचार किया। इसके साथ ही युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया राष्ट्रपति मूर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा एक कालजयी दूरदर्शी और आध्यात्मिक व्यक्तित्व। उन्होंने यह उपदेश दिया कि आंतरिक शक्ति और मानवता की सेवा एक सार्थक जीवन की नींव हैं। उन्होंने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा भारतीय युवाशक्ति के सशक्त प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व विकसित भारत के संकल्प में निरंतर नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। मेरी कामना है कि राष्ट्रीय युवा दिवस का यह दिव्य अवसर सभी देशवासियों, विशेषकर हमारे युवा साथियों के लिए नई शक्ति और नया आत्मविश्वास लेकर आए। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र-निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। भारतीय युवा अपने जोश और जुनून से हर संकल्प को साकार कर सकते हैं।

पीएम मोदी और जर्मन चांसलर ने जारी किया साझा बयान

आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने का लिया संकल्प

गांधीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी किया। मीडिया को संबोधित करते हुए दोनों नेताओं ने तकनीकी, रणनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। दोनों ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। मर्ज का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत जर्मनी के साथ अपनी दोस्ती और पार्टनरशिप को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। गुजरात में हम कहते हैं आवकारो मिठो आपजे रे- यानी स्नेह और आत्मीयता से आपका स्वागत करते हैं। इसी भावना के साथ, हम चांसलर का भारत में दिल से स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की उपस्थिति में भारत और जर्मनी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए

गए। पीएम मोदी ने कहा, हम एकमत हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। भारत और जर्मनी इसके विरुद्ध एकजुट होकर पूरी दृढ़ता से लड़ाई जारी रखेंगे। भारत और जर्मनी सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए जी4 के माध्यम से हमारा संयुक्त प्रयास इसी सोच का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने चांसलर की यात्रा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, चांसलर मर्ज की ये यात्रा एक विशेष समय पर हो रही है। पिछले वर्ष हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे किए और इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष भी मना रहे हैं। ये माइलस्टोन केवल समय की उपलब्धियां नहीं हैं, ये हमारी साझा महत्वाकांक्षाओं, परस्पर विश्वास और निरंतर सशक्त होते सहयोग के प्रतीक हैं...भारत और जर्मनी जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, भारत और जर्मनी के बीच तकनीकी सहयोग प्रति वर्ष मजबूत हुआ है, और आज इसका प्रभाव जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और जर्मनी की प्राथमिकताएं समान हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच गांधीनगर के महात्मा मंदिर कनवेंशन सेंटर में द्विपक्षीय वार्ता हुई।

चुनाव आयुक्त के खिलाफ मुकदमा न होने वाले अधिकार को चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा केंद्र और आयोग से जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संसद द्वारा पारित उस कानून की वैधता की जांच करने पर सहमति जताई है। जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को आजीवन अभियोजन से छूट प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस बात की जांच करेगा कि क्या राष्ट्रपति या राज्यपाल को न मिलने वाली यह छूट मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग को दी जा सकती है? लोक प्रहरी एनजीओ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने

केंद्र सरकार, चुनाव आयोग व अन्य को नोटिस भेजा है। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस का 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। यह सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में हुई सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में हुई।मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक पद पर रहते हुए कानूनी सुरक्षा मिली है। इसको लेकर गैर-सरकारी संगठन लोक प्रहरी द्वारा याचिका दायर की गई है। एनजीओ ने अपनी याचिका में इस तरह की छूट को गलत बताया है। इससे पहले भी कांग्रेस भी इस तरह का विरोध जता चुकी है।केंद्र की मोदी सरकार साल 2023 में एक कानून लाई थी, जिसे उसी समय संसद के दोनों सदनों में पास कराया गया था। इस कानून के मुताबिक कोई भी कोर्ट आधिकारिक ड्यूटी में किए गए कामों (जैसे चुनावी निर्णय, बयान-प्रक्रिया) के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के खिलाफ एफआईआर या मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है। यह सुरक्षा वर्तमान और पूर्व दोनों आयुक्तों पर लागू होती है। मतलब पद पर रहने और रिटायर होने के बाद भी कोई केस दर्ज नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर खड़गे का संदेश, स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। अपने संदेश में उन्होंने भारत के महान चिंतक, दार्शनिक और आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों को प्रासंगिक बताया।कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, समस्त देशवासियों को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आज भारत के महान चिंतक और दार्शनिक स्वामी

विवेकानंद जी की जयंती है। वे भारतीय जीवन-मूल्यों के प्रतीक हैं और हमारे युवाओं के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत हैं। स्वामी जी के विचारों और आदर्शों को श्रद्धांजलि स्वरूप, राजीव गांधी ने इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में घोषित किया था।खड़गे ने कहा कि अमरीका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके ऐतिहासिक भाषण के कुछ अंश, जो आज भी बेहद प्रासंगिक हैं, श्सांप्रदायिकताएं, कट्टरताएं और इसके भयानक वंशज हठधर्मिता लंबे समय से पृथ्वी को अपने शिकंजों में जकड़े हुए हैं। इन्होंने पृथ्वी को हिंसा से भर दिया है। कितनी बार ही यह धरती खून से लाल हुई है।

वाद-विवाद और असहमति स्वस्थ लोकतंत्र का हिस्सा:उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नईदिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा

कि वाद-विवाद, चर्चा, असहमति और यहां तक कि टकराव भी स्वस्थ लोकतंत्र के आवश्यक तत्व हैं, लेकिन ऐसी प्रक्रियाओं का अंततः एक निष्कर्ष पर पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्णय हो जाने के बाद उसके कार्यान्वयन में सहयोग करने की सामूहिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के नौवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने स्नातक की उपाधि हासिल करने वाले छात्रों से अपने ज्ञान और कौशल को राष्ट्र सेवा में समर्पित करने का आग्रह किया। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके उपदेशों को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा को डिग्री से आगे बढ़कर चरित्र निर्माण, बौद्धिक क्षमता में वृद्धि और व्यक्तियों के सशक्तीकरण पर जोर देना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि केवल शिक्षा और उचित प्रशिक्षण ही भारत के युवाओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में सक्षम बनाएगा। भारत में ज्ञान की सभ्यतागत परंपरा को रेखांकित करते हुए राधाकृष्णन ने नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का उल्लेख किया ।

सहकारी क्षेत्र न केवल आर्थिक वृद्धि में बल्कि लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में भी सहायक: भूपेंद्र यादव

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि देश का सहकारी क्षेत्र न केवल आर्थिक वृद्धि में बल्कि लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में भी सहायक है। वित्तीय साक्षरता एवं डेटा-आधारित प्रशासन के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र भारत को एक विकसित देश बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री यादव ने सहकारी संगठनों के ऑडिट में तेजी लाने और उनके आंतरिक नियंत्रणों को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने

कहा कि सहकारी क्षेत्र आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में योगदान देता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने सहकारी क्षेत्र का लोकतंत्रीकरण किया है जिससे जमीनी स्तर पर लाभ मिल रहा है। कॉरपोरेट क्षेत्र के विपरीत यह क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करता है। यादव ने बताया कि सहकारी क्षेत्र में लगभग 32 करोड़ लोग कार्यरत हैं और 85 लाख से अधिक सहकारी संगठन हैं। मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की बढ़ती भूमिका के साथ भारत के आर्थिक भविष्य का बदलावश विषय पर आयोजित सहकारी चिंतन शिविर में यह बयान दिया। इस मौके पर सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि मंत्रालय ने पिछले चार वर्ष में उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र में जल्द ही ह्यभारत टैक्सी शुरू की जाएगी जिससे चालकों को अधिक लाभ होगा और इस पहल के लिए करीब 1.2 लाख चालकों ने पहले ही पंजीकरण करा लिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा कि अगले 10 से 15 वर्ष में सहकारी क्षेत्र, देश की आर्थिक वृद्धि का मुख्य चालक होगा।

अगले साल भारत आ सकते हैं डोनाल्ड ट्रंप, यूएस दूत ने बताई अंदर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत दौरे पर आ सकते हैं। भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को नयी दिल्ली में अपना कार्यभार संभालते हुए इस बात के संकेत दिए। उन्होंने न केवल ट्रंप और पीएम मोदी की श्सच्ची दोस्तीश का जिक्र किया, बल्कि वाइट हाउस के अंदर की कुछ दिलचस्प बातें भी शेयर कीं। सर्जियो गोर ने अपने पहले संबोधन में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर अपनी पिछली भारत यात्रा को याद करते हैं और अगले एक-दो सालों में दोबारा भारत आने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा- राष्ट्रपति ट्रंप को यहां की अपनी पिछली यात्रा याद है। मैं पिछले हफ्ते राष्ट्रपति के साथ था और जब हमने नए साल के ठीक बाद डिनर किया, तो उन्होंने यहां आने के अपने शानदार अनुभव और भारत के महान प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी गहरी दोस्ती के बारे में बताया। मुझे यह भी उम्मीद है कि राष्ट्रपति जल्द ही हमसे मिलने आएंगे, उम्मीद है अगले एक-दो साल में भारत आएंगे।राजदूत गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार और टैरिफ विवादों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ पूरी दुनिया घूमा हूं और मैं यह दावे के साथ कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती श्असलीश है। सच्चे दोस्तों में असहमति हो सकती है।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ को दिल्ली एम्स में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पिछले सप्ताह दो बार बेहोश होने के बाद सोमवार को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया, जहां उनका एमआरआई किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी को धनखड़ को वॉशरूम में दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, आज उन्हें एम्स ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें जांच के लिए भर्ती करने की सलाह दी। धनखड़ पहले भी कई बार बेहोश हो चुके हैं, जिनमें कच्छ का रण, उत्तराखंड, केरल और दिल्ली की घटनाएं शामिल हैं जहां वह उपराष्ट्रपति के रूप में सार्वजनिक कार्यक्रमों में गए थे। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था।

डीआरडीओ ने किया पोर्टेबल टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गतिमान लक्ष्य को निशाना बनाने में सक्षम मैन पोर्टेबल टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण रविवार को महाराष्ट्र की अहिल्या नगर स्थित केके रेंज में किया गया। परीक्षण डीआरडीओ की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद ने किया। देश में ही विकसित इस मिसाइल में अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है जिनमें इमेजिंग इंफ्रारेड (आईआईआर) होमिंग सीकर, पूर्णतः विद्युत आधारित नियंत्रण एक्ट्यूएशन प्रणाली, फायर कंट्रोल सिस्टम, टैंडम वारहेड, प्रणोदन प्रणाली तथा उच्च प्रदर्शन दृष्टि प्रणाली शामिल हैं। इन प्रणालियों का विकास डीआरडीओ की सहयोगी प्रयोग शालाओं द्वारा किया गया है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी बढ़नी व अपराध आसूचना शाखा गोण्डा के संयुक्त निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन चिल्हिया यार्ड से पूर्व में चोरी कर छुपाये हुए रेल सम्पत्ति के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया द्वारा निगरानी के दौरान बलिया स्टेशन के पुराना मालगोदाम के पास से पूर्व में चोरी कर छुपाये हुए रेल सम्पत्ति के साथ एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। मानवीय सहायताा के अन्तर्गत 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर एक व्यक्ति के बीमार हालत में मिलने पर उसका उपचार कराया गया तथा बीमार व्यक्ति के परिजन के उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी खलीलाबाद को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन के समक्ष उसके परिजन को सुपुर्द किया गया। 11 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 10 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट ऐशबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12511 में 15 वर्ष एवं 17-17 वर्ष के 03 लड़के लावारिस हालत में मिले, जिन्हें पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 10 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 01025 में महिला यात्री का छूटा एक पिट्ठू बैग मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15133 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोण्डा पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 09 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15047 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

केरल की महिला टीम ने लगातार छठी बार रेलवे को दी मात जीता गोल्ड रेलवे को सिल्वर

वाराणसी। वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में आयोजन नेशनल सीनियर वॉलीबॉल चैंपियनशिप में केरल की टीम को जीत मिली। आज इसका समापन भी होगा। राज्य के दोनों डिप्टी सीएम खिलाड़ियों को बधाई देंगे। केरल ने गोल्ड मेडल जीता है। वहीं, रेलवे को सिल्वर मेडल मिला। सिगरा स्टेडियम के इंडोर कोर्ट पर रविवार को खेली गई 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में केरल की महिला टीम ने लगातार छठी बार रेलवे को हराकर चैंपियन बन गई। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोचक रहा और पांच सेट तक चला। रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में केरल की बेटियों ने अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी भारतीय रेलवे को 3-2 से शिकस्त देकर खिताब पर अपना दबदबा बनाए रखा। शुरूआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करने वाली केरल की टीम ने निर्णायक सेट में रेलवे को कोई मौका नहीं दिया। मुकाबले की शुरूआत रेलवे के पक्ष में रही जहां उन्होंने पहला सेट 25-22 से जीतकर अपनी मंशा साफ कर दी। इसके बाद केरल ने जोरदार पलटवार किया और लगातार दो सेट जीतकर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चौथे सेट में रेलवे ने फिर वापसी की और 25-22 से जीतकर मैच को निर्णायक पांचवें सेट में धकेल दिया। हालांकि, अंतिम सेट में केरल के दमदार स्मैश और डिफेंस के आगे रेलवे बेबस दिखी और केरल ने 15-8 से सेट जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। केरल की इस कामयाबी के पीछे टीम की एकजुटता और रणनीतिक कौशल का बड़ा हाथ रहा। टीम की जीत की मुख्य सूत्रधार रहीं अनुश्री ने अपनी कलाई के जादू और आक्रामक स्मैश से रेलवे के डिफेंस को पस्त कर दिया। हर निर्णायक मोड़ पर अनुश्री के सटीक प्रहारों ने केरल की झोली में अंक डाले। वहीं, डिफेंस की कमान शिवप्रिया जी. ने संभाली थी। लिबरो की भूमिका में शिवप्रिया ने मैदान पर गजब की फुर्ती दिखाते हुए रेलवे के तेजतर्रार हमलों को न सिर्फ रोका बल्कि उन्हें काउंटर अटैक में तब्दील करने का मौका भी बनाया। नेट पर अनघा आर. एक अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रहीं। उनकी शानदार ब्लॉकिंग के कारण रेलवे की अनुभवी खिलाड़ी भी अंक चुराने के लिए संघर्ष करती दिखीं। एक समय जब मैच फंसता नजर आया, तब नंदना वी. और अन्ना मैथ्यू ने अपने अनुभव का परिचय दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने तालमेल बिठाते हुए कोर्ट के कोनों का बखूबी इस्तेमाल किया और स्कोरबोर्ड में निरंतर बढ़त बरकरार रखी। शुरूआती लय बनाने में एन वी जैकब का योगदान भी सराहनीय रहा जिन्होंने सर्विस और पासिंग के जरिये टीम को वह आधार प्रदान किया जिस पर जीत की बुलंद इमारत खड़ी हुई। कोच डॉ. सदानंदन के मार्गदर्शन में इन छह खिलाड़ियों ने मैदान पर जो अनुशासन और जज्बा दिखाया, उसी का परिणाम है कि आज केरल की टीम नेशनल चैंपियन के रूप में उभरकर सामने आई है। डिप्टी सीएम, मंत्री, मेयर और विधायकों ने बढ़ाया हौसला फाइनल मैच के दौरान प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव मौर्य के साथ ही राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविंद्र जायसवाल, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, यूपी वॉलीबाल संघ के महासचिव सुनील तिवारी, डॉ. अभिमन्यु सिंह, डॉ. आशीष कुमार सिंह, विवेक सिंह, भारतीय वॉलीबाल महासंघ के रामऔतार सिंह जाखड़ समेत वीएफआई और यूपी वॉलीबाल संघ से जुड़े तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। इन सबने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के अध्यक्ष मेयर अशोक कुमार तिवारी ने किया। मेयर ने कहा कि वॉलीबॉल के शानदार मैच खेले गए।

ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) का दृश्य

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा सर्दी के मौसम में सुरक्षित एवं संरक्षित ट्रेन संचलन हेतु सभी सावधानियां बरती जा रही हैं। इस दौरान रेलवे ट्रैक की

रात्रिकालीन पेट्रोलिंग नियमित रूप से की जा रही है तथा उसकी निगरानी के लिए रेलकर्मियों को ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) ट्रैकर उपलब्ध कराये गये हैं। पेट्रोलमैन जी.पी.एस. से लैस होकर पेट्रोलिंग का कार्य सम्पादित कर रहे है, जिससे संरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है तथा पेट्रोलिंग के दौरान टैज्क में हुई कमियों की जानकारी देना आसान हो गया है। पूर्वोत्तर रेलवे पर 2686 जी.पी.एस. ट्रैकर उपलब्ध कराये गये हैं, जिसमें लखनऊ मंडल पर 680, वाराणसी मंडल पर 1216 तथा इज्जतनगर मंडल पर 790 है। इस उपकरण में तीन शार्टकट बटन होते है, जिसमें समय की जानकारी के साथ सम्बन्धित सुपरवाइजर को कॉल कर त्वरित सूचना देने में सुविधा होती है। इस ऑन लाइन मॉनिटरिंग से पेट्रोलमैन के रियल टाइम लोकेशन तथा पेट्रोलिंग गति इत्यादि की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा पठानकोट-जोगिंदरनगर नैरो गेज सेक्शन का निरीक्षण

नई दिल्ली: उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, अशोक कुमार वर्मा ने आज दिनांक 12 जनवरी 2026 को सबसे पहले जम्मू मंडल के पठानकोट सिटी रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया । इस दौरान जम्मू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, श्री विवेक कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।जिसमें उन्होंने सबसे पहले पठानकोट रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर कार्यालय, बुकिंग, रिटायरिंग रूम व स्टेशन पर चल रहे, पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। साथ पुनर्विकास कार्यों में संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश जारी किए। इसके बाद

महाप्रबंधक ने पठानकोट-जोगिंदरनगर नैरो गेज (762 मिमी) रेलवे लाइन के महत्वपूर्ण खंड के मुख्य रेलवे स्टेशन जिसमें नूरपुर रोड, तलारा, ज्वाली का भी विस्तृत निरीक्षण किया, जिसका उद्देश्य सुरक्षा मानकों की समीक्षा करना, यात्री सुविधाओं का मूल्यांकन करना और इस ऐतिहासिक मार्ग के आधुनिकीकरण की संभावनाओं का पता लगाना था । महाप्रबंधक ने नेरों गेज सेक्शन में आने वाले ट्रैक, पुलों, स्टेशनों और सिग्नलिंग प्रणालियों का गहन निरीक्षण किया. उन्होंने रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की और लाइन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत जानकारी ली।

अपने निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक, श्री अशोक कुमार वर्मा ने नेरो गेज के रेल चक्की ब्रिज का भी निरीक्षण किया, जो वर्तमान में मरम्मत कार्य के अंतर्गत चल रहा है। इस ब्रिज के मरम्मत कार्य को जल्दी से पूर्ण करने, हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए । महाप्रबंधक ने ट्रैक की मजबूती और सुरक्षा जांच पर विशेष जोर दिया, विशेष रूप से पहाड़ी इलाकों में. यात्री सुविधाएं: स्टेशनों पर स्वच्छता, प्रतीक्षालय, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाओं की समीक्षा की गई।

दुष्कर्म का आरोपी दरोगा अपना रहा तरह-तरह के हथकंडे, कल जारी हुआ था वीडियो आज लेटर

कानपुर। सचेंडी में नाबालिक से दुष्कर्म का आरोपी दरोगा तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है। कल कुछ लोगों ने पांच दिन बाद पीड़ित और यू ट्यूबर और चौकी इंचार्ज की बातचीत करता वीडियो जारी किया था। अब सोमवार को नया लेटर जारी किया गया है। जिसमें आरोपी दरोगा मुख्यमंत्री और पुलिस कमिश्नर से जांच कराने की मांग कर रहा है लेकिन पुलिस को पकड़ में नहीं आ रहा है। आरोपी दरोगा का सहयोग कौन कर रहा है। यह एक बड़ा सवाल है। सचेंडी में सोमवार रात को चौकी इंचार्ज अमित मौर्य और यू ट्यूबर शिवबरन सिंह ने नाबालिक से साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने अज्ञात दो लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की थी। पीड़िता की पहचान पर अगले दिन आरोपी यूट्यूबर शिवबरन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि उसका साथी दरोगा अमित मौर्य फरार हो गया। पुलिस कमिश्नर ने फरार दरोगा पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। ज्वाइंट सीपी आशुतोष कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर लेटर वायरल हो रहा है।इसकी जांच कराई जाएगी। दरोगा की तलाश में टीमें लगी हैं। अगर उन्हें लगता है कि वो बेगुनाह है तो पहले सरेंडर करें, जो भी सबूत उनके पास हैं। वो प्रस्तुत करें जांच में उसे शामिल किया जाएगा।

मैदान में युवक का शव पड़ा मिला हत्या कर फेंके जाने की आशंका

फरुर्खाबाद। मोहम्मदाबाद में इटावा-बरेली हाईवे स्थित खाटू श्याम मंदिर से गांव डुबका जाने वाले रास्ते पर सेना के मैदान में सोमवार सुबह एक युवक का शव पड़ा मिला। उसके सिर व हाथों में चोट थी। शव पूरी तरह मिट्टी में सना था। इससे हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। जेब में शराब का पौव्वा मिलने से पुलिस अधिक शराब पीने से गिरकर मौत होने की बात कह रही है। पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। गांव डुबका जाने वाले रास्ते के पास सेना के मैदान में शव पड़े होने की सूचना सोमवार सुबह किसी ने यूपी 112 पर दी। इस पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ भी लग गई। वहां युवक का शव मुंह के बल पड़ा था। शव पूरी तरह मिट्टी में इस तरह सना था जैसे कोई उसे मिट्टी में दूर तक घसीट कर ले गया हो। इससे चेहरा समझ में नहीं आ रहा था। पुलिस ने शव को सीधा कराया। उसके सिर में पीछे के हिस्से में चोट थी। इससे लग रहा था कि किसी ने कोई वजनदार वस्तु उसके सिर में मारी हो। पुलिस ने पहचान कराने के लिए उसके चेहरे को पानी से साफ कराया। पर उसकी पहचान नहीं हो सकी। दोनों हाथों में सूजन थी। इससे लग था कि उसके हाथों में फ्रैक्चर है। उसके शरीर पर ट्रैकशूट अपर, उसके बाद जैकेट, काला इनर, काल लोअर, भूरे रंग का अंडरवियर, एक चप्पल उसके पैर में थी और दूसरी शरीर के नीचे दबी थी। उसकी जैकेट की जेब से देसी शराब का पौव्वा, बीड़ी का बंडर व 50 रुपये मिले। वह हाथ में काला धागा और गले लाल धागा पहने था। फॉरेंसिंक टीम ने मौके पर पहुंचकर नमूने एकत्र किए। एएसपी, सीओ कायमगंज राजेश द्विवेदी मौके पर पहुंचे।

भारी फोर्स की मौजूदगी में तोड़े जा रहे मकान दुकानदारों का विरोध जारी

वाराणसी। दालमंडी चौड़ीकरण के लिए बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। सोमवार को भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में बुलडोजर ने दालमंडी में प्रवेश किया। चौक की तरफ से मलबा हटाने का काम किया जा रहा है। वाराणसी में दालमंडी चौड़ीकरण योजना के तहत ध्वस्तीकरण अभियान जारी है। सोमवार को बुलडोजर की कार्रवाई शुरू की गई। सुबह बुलडोजर ने चौक थाने की तरफ से प्रवेश किया। यहां मलबा हटाने का काम शुरू हो चुका है। वहीं मजदूरों द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा रही है। दालमंडी में हथौड़े के बाद अब बुलडोजर से मकानों को तोड़ने का काम किया जा रहा है। इसके लिए सोमवार को बुलडोजर का प्रवेश दालमंडी में हो गया। इस दौरान गलियों में बैरिकेडिंग की गई। इसके बाद पुलिस, प्रशासन, पीडब्ल्यूडी की टीम की मौजूदगी में कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एहतियातन भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। दुकानदार कर रहे विरोध दालमंडी में दुकानों के ध्वस्तीकरण को लेकर बुलडोजर पहुंचा तो दुकानदार विरोध करते हुए अपने मकानों के सामने खड़े हो गए। अदनान खान का कहना है कि प्रशासन द्वारा जो बात दो महीने पहले कही जा रही थी, वही आज भी कही जा रही है। दुकानदार का कहना है कि प्रशासन कह रहा कि मकान का नक्शा नहीं पास हुआ है, इतनी जमीन पर नक्शा नहीं पास होता है और ये मकान मानक के विरूद्ध नहीं बनाया गया है। ऐसे में हम कार्रवाई रोकेंगे। हालांकि अधिकारियों के समझाने पर दुकानदार मकान तोड़ने के लिए तैयार हुई। उसने कहा कि इस मकान को मैंने बनाया है और मैं ही अब इस मकान को तोड़ूंगा। विभागीय लोगों के साथ तीसरे तल पर पहुंचा और उसने खुद ही हथौड़ा चलाकर मकान तोड़ने की शुरूआत की। मुख्तार खान के भवन पर चलाया गया बुलडोजर दुकानदारों और मकान मालिकों के विरोध के बीच दोपहर बाद नई सड़क की तरफ से लंगड़ा हाफिज मस्जिद के सामने मुख्तार खान के भवन को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान मजदूरों ने ऊपरी हिस्से पर हथौड़ा चलाकर तोड़ना शुरू किया। इसके बाद बुलडोजर से प्रथम तल को तोड़ना शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारी लोगों को दूर रहने के लिए सतर्क करते दिखे। राहगीरों और मीडियाकर्मियों को मकान के आसपास से हटाया गया।

तत्कालीन थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी पर दर्ज मुकदमों का मामला

कानपुर। तत्कालीन चकेरी थाना प्रभारी संतोष शुक्ला व तत्कालीन सनिगवां चौकी प्रभारी अंकित खटाना - फोटो : अमर उजाला चकेरी थाने में तत्कालीन प्रभारी इंस्पेक्टर व तत्कालीन सनिगवां चौकी प्रभारी समेत अन्य के खिलाफ डकैती समेत कई धाराओं में दर्ज प्राथमिकी में रविवार को सोशल मीडिया में पीड़ित का एक और वीडियो वायरल हुआ। इसमें वह आरोपियों पर लगातार धमकाने का आरोप लगा रही है। पुलिस से सुरक्षा की मांग की। हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। लाल बंगला के चंद्रनगर निवासी संजय जायसवाल की पत्नी संगीता जायसवाल ने तत्कालीन चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला, तत्कालीन सनिगवां चौकी प्रभारी अंकित खटाना, योगी बिल्डर व धर्मेन्द्र यादव पर 40 अज्ञात पर उनकी जमीन पर कब्जा करवाने का आरोप लगाया था। पीड़िता ने हाईकोर्ट के आदेश पर सभी के खिलाफ डकैती समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। संजय का आरोप है कि उन्हें लगातार समझौता करने के लिए धमकाया जा रहा है। पीड़ित ने दूसरा वीडियो वायरल कर पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

प्रश्न पत्र पहुंचे आज से होगी माध्यमिक विद्यालयों में प्री-बोर्ड परीक्षा

बस्ती। माध्यमिक विद्यालयों में प्री- बोर्ड परीक्षा 12 जनवरी से प्रारंभ हो जाएगी। 19 जनवरी तक चलने वाली इस परीक्षा में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के सभी विद्यार्थी शामिल होंगे। पिछले साल के रिजर्व कोटे के प्रश्न पत्रों के जरिये यह परीक्षा कराई जानी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से सभी विद्यालयों में यह प्रश्न पत्र पहुंचा दिए गए हैं। इस बार हाईस्कूल में पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 39944 है। इसमें बालक 19014, बालिका- 19930 शामिल है। जबकि इंटरमीडिएट में पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 34214 है। इसमें 16,568 बालक और बालिका 17,646 हैं। इन विद्यार्थियों की प्री-बोर्ड परीक्षा की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। जिले के सभी 401 माध्यमिक विद्यालयों में पिछले साल के रिजर्व कोटे के प्रश्न पत्र भी पहुंचा दिए गए हैं। यह विद्यार्थियों के लिए डमी परीक्षा होगी। इसमें बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर सभी विषयों की परीक्षा ली जाएगी। 24 जनवरी से इन विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा भी शुरू होने वाली है। इससे पहले विद्यालय स्तर पर प्री-बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। ताकि विद्यार्थी अपने दो साल की पढ़ाई का मूल्यांकन स्वयं कर सकें। परीक्षा की समयावधि विद्यालय प्रबंधन सुविधानुसार निर्धारित करेंगे। सुबह प्रथम पाली में हाईस्कूल और द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा कराई जाएगी।

जिम्मेदारों की मनमानी से सुविधा बेमानी पांच नवजातों ने गंवाई जान

बस्ती। जच्चा-बच्चा की सुरक्षा और मातृ शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए किए जा रहे तमाम प्रयास सिस्टम की लापरवाही से दम तोड़ रहे हैं। सीएचसी हरैर्या के आयुष्मान आरोग्य मंदिर मरवटिया से जुड़े एक मामले की जांच में इसकी तस्दीक हुई है। गांव की एक महिला के नौ प्रसव हुए लेकिन पांच नवजात की मौत हो गई। जांच में पता चला है कि उच्च जोखिम की श्रेणी में चिह्नित गर्भवती की विभाग की ओर से निगरानी नहीं की गई और सिर्फ दो बार प्रसव सीएचसी में कराए गए। तीन प्रसव नसबंदी के बाद हुए। जांच में लापरवाही सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। बीते बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा के दौरान संस्थागत प्रसव का मामला उठा था। सीएचसी हरैर्या से जुड़े आयुष्मान आरोग्य मंदिर मरवटिया में काफी कम प्रसव की बात आई थी। अगले दिन सीडीओ सार्थक अग्रवाल मरवटिया पहुंचे और सीएचओ विजय पाल, आशा रीता देवी और एएनएम अंजलि शर्मा से पूछताछ की तो बताया गया कि गांव की महिलाएं अस्पताल नहीं आना चाहतीं और घर में ही प्रसव को प्राथमिकता देतीं हैं। सीडीओ ने यूपी टीएसयू के जिला विशेषज्ञ यशपाल को जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। जांच में स्वास्थ्य विभाग के सिस्टम की पोल खुल गई। पता चला कि मरवटिया गांव के रहने वाले सावनदीन की पत्नी रंजना का नौ बार प्रसव हो चुका है लेकिन सिर्फ चार लड़के जीवित हैं। तीन बेटियों और दो बेटो की मौत जन्म के दो माह के भीतर हो गई। सात प्रसव घर में ही हुए जबकि दो प्रसव सीएचसी में कराए गए। 25 नवंबर 2025 को घर में प्रसव हुआ, नवजात की मौत तीन जनवरी को हो गई। गर्भावस्था के दौरान एएनएम ने केवल एक एएनसी सेवा दी, एमसीपी कार्ड भी नहीं बनाया गया। आशा ने एक भी एचबीएनसी भ्रमण नहीं किया।

युगों तक प्रेरणा देते रहेंगे स्वामी विवेकानंद के विचार

बस्ती। स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को कबीर साहित्य सेवा संस्थान के तत्वावधान में प्रेस क्लब सभागार में साइमन फारूकी के संयोजन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. वीके वर्मा ने स्वामी विवेकानंद के जीवन वृत्त, योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब देशकई टुकड़ों में विभाजित था, भुखमरी, महामारी से देश के अनेक हिस्से प्रभावित थे, उस समय युवा संन्यासी ने देश को ऊर्जा देने के साथ ही शिकागो के भाषण से विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई। उन्होंने धर्म को जीवन से जोड़ा और मुसीबत में होम्योपैथ की दवा लेकर सेवा करने निकल पड़े। युवा पीढ़ी को ऐसे महान व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कवि डॉ. राम कृष्ण लाल ह्यजगमगह्ल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद सदा अपने को गरीबों का सेवक कहते थे। देश के गौरव को देश-देशांतरों में उज्ज्वल करने का उन्होंने सदा प्रयत्न किया। इस परंपरा को आगे बढ़ाने की जरूरत है। अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा, अजीत श्रीवास्तव ह्यराजह्ल तौव्वाब अली, डॉ. वाहिद अली सिद्दीकी, टीपी मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, अनुरोध कुमार श्रीवास्तव, सुशील सिंह पथिक आदि ने संबोधित किया। इस दौरान शाद अहमद शाद, अमित कुमार उपाध्याय, राहुल चौहान, सागर गोरखपुरी, चन्द्रमोहन लाल श्रीवास्तव, ओमैसी, सन्तोष श्रीवास्तव, संजीव पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

जी रामजी योजना से आएगी समृद्धि श्रमिकों को रोजगार

बस्ती। सूबे के कैबिनेट/ प्रभारी मंत्री आशीष पटेल रविवार को जनपद पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों के साथ कोर ग्रुप एवं जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक ली। इस दौरान जिले के समुचित विकास, बेहतर कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर प्रभारी मंत्री ने विशेष जोर दिया। कहा कि विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों का सुझाव लिया जाए। अधिकारी उनके प्रस्ताव की अनदेखी न करें। आम जनमानस की सुनवाई तत्काल होनी चाहिए। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए छोटे- छोटे अपराध भी आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण : प्रभारी मंत्री ने सदर तहसील के ग्राम छरोछा में निमार्णाधीन विधिक विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस दौरान प्लास्टर को ठीक प्रकार से नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि प्लास्टर को ठीक कराया जाए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, विधायक हरैर्या अजय सिंह, डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना, एसपी अभिनंदन, सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

गालीबाज डॉक्टर के खिलाफ जांच शुरू

कप्तानगंज (बस्ती)। जिले के एक सरकारी अस्पताल के चर्चित गाली बाज डॉक्टर के खिलाफ सीएमओ ने जांच शुरू करा दी है। जांच टीम ने ऑडियो और वीडियो के साथ ही स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए रिपोर्ट तैयार कर रही है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट में आरोप साबित होने पर कार्रवाई की जाएगी। लोगों का आरोप है कि एक सीएचसी पर तैनात डॉक्टर नशे में रहते हैं। फोन न उठाना,समय से ड्यूटी नहीं आना और बात-बात में गाली दे देना उनकी आदत बन गई है। आरोप है कि एक सप्ताह पहले गाली बाज डॉक्टर एक मामले में सुरक्षा कर्मी से सहयोग मांगा।

केजीएमयू में ओपीडी बंद करने की तैयारी, डॉक्टर, रेजीडेंट, नर्सिंग और कर्मचारियों का अल्टीमेटम जारी

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में सोमवार को शिक्षक, रेजीडेन्ट्स, नर्सिंग और कर्मचारियों की संयुक्त बैठक हुई। जिसके बाद एक अल्टीमेटम जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि यदि पुलिस हंगामा व तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई नहीं करती है, तो 24 घंटेबाद ओपीडी सेवायें बंद कर दी जायेंगी। संयुक्त बैठक के बाद जारी पत्र में कहा गया है कि कुलपति कार्यालय में हंगामा करने वालों पर 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। आगे लिखा है कि केजीएमयू परिसर में 9 जनवरी को की गई तोड़ फोड़ और महिलाओं के साथ हुई अभद्रता पर तहरीर दी गई थी, यह तहरीर प्रॉक्टर की तरफ से चौक थाने में दी गई थी, लेकिन अत्यन्त दुःखद है कि सरकारी संस्था द्वारा दी गयी तहरीर पर अराजक तत्वों को गिरफ्तार करना तो दूर 72 घंटे बीत जाने के बाद एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई है। संयुक्त बैठक के बाद जारी पत्र में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की कार्यशैली तक पर प्रश्न उठाया गया है और कहा गया है कि अपर्णा यादव की कार्य प्रणाली पद के अनुरूप न होकर सरकार की छवि धूमिल करने वाली थी

संक्षिप्त समाचार

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर का पारिवारिक मिलन समारोह

ग्वालियर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर द्वारा पारिवारिक मिलन एवं नवीन कार्यकारिणी के अभिनंदन का आयोजन जैन छात्रावास में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम में ग्रुप के सभी सदस्यों ने पारिवारिक माहौल में विभिन्न खेलों एवं मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया। प्रवक्ता ललित जैन ने बताया कि इस अवसर पर वर्ष 2025 की टीम द्वारा किए गए सराहनीय सेवा एवं सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें बधाई दी गई, वहीं आगामी वर्ष 2026 के लिए गठित नवीन टीम के अध्यक्ष आशीष जैन, सचिव अमित जैन भंडारी एवं कोषाध्यक्ष रूपेश जैन का पुष्पहार पहनाकर भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अनेक प्रकार के गेम आयोजित किए गए।

कांग्रेस पार्षद पीपी शर्मा का निधन

ग्वालियर। वार्ड क्रमांक 5 से कांग्रेस पार्षद प्रेमप्रकाश शर्मा का बीमारी के चलते रविवार सायं निधन हो गया। उनका शहर के एक निजी अस्पताल में लंबे समय से इलाज चल रहा था।

उनकी शवयात्रा सोमवार सुबह 10 बजे उनके आनंद नगर स्थित निवास से चंदन नगर मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी। बिजली विभाग में जीवन पर्यन्त कर्मचारी नेता के रूप में काम करने वाले श्री शर्मा को वर्ष 2022 में कांग्रेस पार्टी ने कांग्रेस पार्षद पद का उम्मीदवार बनाया था। वह अपने समय में क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे। उनके निधन पर महापौर शोभा सतीश सिकरवार, सभापति मनोज तोमर, नेता प्रतिपक्ष हरिपाल व निगमायुक्त संघप्रिय, कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, कर्मचारी नेता एजी तलेगांवकर ने शोक व्यक्त किया है।

भाजपा नेता आहूजा को पितृ शोक

ग्वालियर। भाजपा के युवा नेता आलोक आहूजा के पिताजी श्री श्रीचंद आहूजा का रविवार को नई दिल्ली में निधन हो गया।

उनकी अंतिम यात्रा 12 जनवरी को सुबह 10 बजे निज निवास लाला का बाजार से लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में 30 छात्रों का 'कैंपस सिलेक्शन'

ग्वालियर। नाका चंद्रबदनी झांसी रोड स्थित शासकीय महाविद्यालय डॉ. भीमराव अंबेडकर पॉलिटेक्निक कॉलेज में शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। जिसमें ए.जी.आई. ग्रीनपैक लिमिटेड कंपनी द्वारा 30 छात्रों का चयन किया गया। चयनित छात्रों को 3.66 लाख रुपये वार्षिक पैकेज दिया जाएगा। कैंपस इंटरव्यू में संस्था सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल ब्रांच के कुल 44 छात्रों ने भाग लिया। कंपनी की चयन प्रक्रिया के बाद 30 छात्रों का अंतिम रूप से 'कैंपस सिलेक्शन' किया गया।

'विद्यार्थी सद्गुणों को बढ़ाकर देश को बनाएं स्वर्ग'

महाविद्यालयीन विद्यार्थी शाखा व मिलन टोली एकत्रीकरण

■ ग्वालियर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर ने रविवार को एक बोध कथा सुनाकर विद्यार्थियों से अपने सद्गुण बढ़ाकर भारत को स्वर्ग बनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने ग्वालियर महानगर में विद्यार्थियों की 100 शाखा शुरू करने पर जोर दिया। वह रविवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के मैदान में आयोजित महाविद्यालयीन विद्यार्थी शाखा व मिलन टोली एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमआईटीएस डीम्ड यूनिवर्सिटी के कुलगुरु आरके पंडित थे। अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने की। श्री चक्रधर ने कहा कि सभी विद्यार्थी अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य का विस्तार करें। संस्कारयुक्त सामर्थ्य से किया गया कार्य हमेशा सार्थक होता है। इसके लिए संघ की शाखा में अधिकतम उपस्थिति आवश्यक है। श्री चक्रधर ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रारंभ किया था।

उन्होंने कहा कि संघ की शाखा सिर्फ खेल खेलने अथवा परेड करने का स्थान मात्र नहीं है, अपितु सज्जनों की सुरक्षा का बिन बोले अभिवचन है। तरुणों को अनिष्ट व्यसनों से मुक्त रखने वाला संस्कार पीठ है। समाज पर अकस्मात आने वाली विपत्तियों अथवा संकटों में त्वरित, निरपेक्ष सहायता मिलने का आशा केंद्र है। महिलाओं की निर्भयता एवं सभ्य आचरण का आश्वासन है। दुष्ट तथा देशद्रोही शक्तियों पर अपनी धाक स्थापित करने वाली शक्ति है ओर सबसे प्रमुख बात यह है कि समाज जीवन मे विभिन्न क्षेत्रों में सुयोग्य कार्यकर्ता उपलब्ध कराने हेतु योग्य प्रक्षिक्षण देने वाला विद्यापीठ है। इसके लिए आवश्यक है कि अपने क्षेत्र में अपनी शाखा के द्वारा समाज मे प्रभाव होना चाहिए।

हिंदू समाज के बलशाली होने से ही भारत वैभवशाली होगा

श्री चक्रधर ने कहा कि हिंदू समाज के बलशाली और दूरदृष्टि से ही भारत वैभवशाली होगा। उन्होंने कहा कि जब हम कोई कार्य करने के लिए प्राण प्रण से जुट जाते हैं तो परमात्मा भी वह कार्य पूर्ण करने में आपका सहयोग करते हैं। जब कार्यकर्ता बिना अपेक्षा के ईश्वरीय कार्य में लगता है तो कार्य तो पूरा होता ही है, साथ मे वह सिद्ध भी होता है।

मेले में एकल व समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित

■ ग्वालियर

व्यापार मेला प्राधिकरण एवं गोल्डन यूथ एंड कल्चर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रयास बाल महोत्सव 2026 के अंतर्गत रविवार को एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें 180 बच्चों ने एकल नृत्य तथा 18 समूहों ने समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिओम गोतम रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जय नारायण श्रीवास्तव, बंटी भदौरिया, कौशलेंद्र कौरव, चेतना विनय तिवारी, तृप्ति भटनागर, रेनू साहू, पूनम कुशवाह, डी.जे. पवार एवं अभिषेक गोस्वामी उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में पूजा सिंह एवं मेघा सोनी रहीं। संचालन धर्मेंद्र ख्याति सेंगर ने किया। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष आशीष चौहान, डॉ. सपना मिश्रा, निधि भटनागर, संगीता चतुर्वेदी, हेमलता रूईया, मोहिनी श्रीवास्तव, कल्पना अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

टावर से डिवाइस चोरी, सैकड़ों घरों के वाई-फाई कनेक्शन प्रभावित

चोरों की सीसीटीवी से पहचान के प्रयास शुरू

■ ग्वालियर

हजीरा थाना क्षेत्र में चोरों ने अपने निशाने पर वाई फाई टॉवरों को लेते हुए डिवाइस चोरी कर ली। टॉवरों से डिवाइस चोरी होने पर क्षेत्र में कई घरों के वाई फाई कनेक्शन बंद हो गए। चोरी का पता चलने पर कर्मचारी ने कम्पनी के अधिकारियों को सूचना दी। चोरों की करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने चोरों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

इंडस टावर कंपनी के तानसेन रोड से एयरपोर्ट रोड तक 28 टॉवर लगे हुए हैं। उक्त टावरों में उपकरण लगे हुए हैं जिनसे वाई-फाई कनेक्शन लोगों के घरो में दिया जाता है। 29-30 दिसम्बर की देर रात चोरों ने टॉवरों पर धावा बोल दिया और उनसे डिवाइस चोरी कर ली। चोरों ने गदाईपुरा में लगे टावर को निशाना बनाया था। चोरों ने एक बार फिर 6 जनवरी को हजीरा थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित प्रसाद नगर तथा ट्रिपल आईटीएम के पास लगे टावरों से डिवाइस चोरी की घटना को अंजाम दिया। डिवाइस चोरी होने से पांच सौ के करीब घरों का वाईफाई कनेक्शन प्रभावित हुए। दो बार डिवाइस चोरी होने के बाद कर्मचारियों को लोग सूचना कर वाईफाई बंद होने की जानकारी देने लगे।

कर्मचारी जयशंकर पुत्र नगीना शर्मा निवासी शताब्दीपुरम अमलताश कॉलोनी ने मौके पर जाकर देखा तो हैरान रह गया। टॉवरों से डिवाइस गायब थे चोरी गए डिवाइस की कीमत तीन लाख रुपए से ज्यादा बताई गई है। बताया गया है कि चोर मोटर साइकिल सेक आए थे उनकी करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने जयशंकर की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

युवा दिवस के रूप में मनाई जाएगी स्वामी विवेकानंद जयंती

■ ग्वालियर

स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी युवा दिवस के रूप में जिले भर में उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर जिले की सभी शिक्षण संस्थाओं सहित विभिन्न संगठनों द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जिले का मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से तानसेन नगर स्टेट बैंक तिराहा के सामने स्थित शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षानगर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जबकि विशेष अतिथि के रूप में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाहा, महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव एवं उपाध्यक्ष प्रियंका सतेन्द्र घुरैया मौजूद रहेंगे। सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन जिले की सभी शिक्षण संस्थाओं में एक साथ-एक संकेत पर किया जाएगा। इसमें कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राएं स्वेच्छा से भाग लेंगे। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों के साथ-साथ स्वयंसेवी एवं समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिला स्तरीय आयोजन के साथ-साथ जिले के सभी विकासखंडों में भी विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भितरवार, डबरा, घाटीगांव तथा मुरार ग्रामीण क्षेत्र में चयनित विद्यालयों में सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम होंगे। युवा दिवस के अवसर पर प्रातः 9.30 से 10.15 बजे तक आकाशवाणी से राष्ट्रगीत वंदे मातरम, स्वामी विवेकानंद का संदेश एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन प्रसारित किया जाएगा, जिसे सभी शिक्षण संस्थाओं में सुना जाएगा।

मूल्यों, परंपराओं और संस्कृति की रक्षा करें सनातन धर्म के अनुयायी

स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर धर्मगुरु, आचार्य व 51 लोगों को दिया सनातन धर्म रक्षक सम्मान सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए एक मूलमंत्र है कि वे अपने मूल्यों, परंपराओं और संस्कृति की रक्षा करें। क्योंकि यही शाश्वत व्यवस्था है। इसे व्यक्तिगत सदाचार, धार्मिक अनुष्ठानों, सत्य और एकता के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। यह विचार श्री सद्गुरु अण्णा महाराज मठ के महंत मनीष विठ्ठल अण्णा महाराज ने व्यक्त किए। वह रविवार को स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर निंबालकर की गोठ नंबर 2, कंपू स्थित मठ में संगोष्ठी एवं सनातन धर्म सम्मान समारोह को आर्शीवचन दे रहे थे। मुख्य वक्ता हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल मिश्रा थे। अध्यक्षता कार्यक्रम संयोजक व विप्र महासभा के संस्थापक धीरेन्द्र चौबे ने की। विशिष्ट अतिथि सर्व ब्राह्मण महासभा के युवा जिलाध्यक्ष कपिल भार्गव थे। स्वागत भाषण डॉ. जितेन्द्र सिंह राजावत ने दिया। शुरुआत में आचार्य हरीश शास्त्री, ब्रह्मदत्त शास्त्री, रिंकू तिवारी, गौरव कृष्ण शर्मा व यतेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान व स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पूजन कराया। संयोजक धीरेंद्र चौबे ने धर्मगुरु व आचार्यों के साथ 51 लोगों को भगवा शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सनातन धर्म रक्षक सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलीप समाधिया व आभार डॉ. समीर भार्गव ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बसंत पाराशर, महेश मुदगल, सुरेन्द्र तोमर, हरीदास अग्रवाल, धर्मेन्द्र भारद्वाज, डॉ. जितेन्द्र सिंह राजावत, एड. नीरज भार्गव, हरीश शर्मा, तृप्ति भटनागर, सुधा परिहार, आरती गौतम, प्रदीप शर्मा आरौली, अखिलेश पांडे, डॉ. समीर भार्गव, आदि का सम्मान किया गया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर होगा धर्म गुरुओं का सम्मान

स्वामी विवेकानंद सेवा समिति के अध्यक्ष नूतन श्रीवास्तव ने बताया स्वामी विवेकानंद चौराहा थाटीपुर पर स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए 9 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। हर वर्ष स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर समिति द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस बार सुबह 11 बजे धर्म गुरुओं का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में महंत लाल टिपारा गौशाला, संत कृपाल सिंह, महंत मनीष अन्ना मठ, ढोली बुआ महाराज, रामलाल धर्मपुरी दादा, बीके प्रहलाद, रामवरन शास्त्री, घनश्याम शास्त्री, सदानंद शास्त्री, पंडित अंकित शर्मा, पंडित विपिन शास्त्री आदि धर्म गुरुओं का सम्मान किया जाएगा।

कृषि की नई तकनीक और योजनाओं की जानकारी देने कृषि रथ रवाना

■ ग्वालियर

जिले में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में रविवार को कृषि विज्ञान केन्द्र में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के किसानों ने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन सुना। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुमार सिंह जाटव, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजोरिया एवं ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत, जिलाधीश रुचिका चौहान तथा जिला पंचायत के सीईओ सोजन सिंह रावत ने हरी झंडी दिखाकर कृषि रथ को रवाना किया।

संयुक्त संचालक कृषि आर.एस. शाक्यवार, उप संचालक कृषि आर.एस. जाटव एवं कृषि वैज्ञानिक शैलेन्द्र सिंह कुशवाह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक खेती के तरीकों एवं शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कृषि विभाग द्वारा 11 जनवरी से शुरू किए गए इस अभियान के तहत कृषि रथ जिले के सभी विकासखंडों के गांव-गांव पहुंचकर किसानों को जागरूक करेंगे।

ढाई करोड़ की ठगी मामले में बैंक प्रबंधक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

■ ग्वालियर

रामकृष्ण मिशन आश्रम के तत्कालीन सचिव स्वामी सुप्रदीप्तानंद को डिजिटल अरेस्ट कर की गई 2.53 करोड़ रुपए की ठगी मामले में विशेष न्यायालय ने बंधन बैंक नागदा के सहायक प्रबंधक महेश धाकड़ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। शहर के डिजिटल अरेस्ट के बहुचर्चित मामले में विशेष न्यायालय की सख्ती के बाद अपराध शाखा पुलिस ने एक आरोपी को हरदा से गिरफ्तार किया था। न्यायालय ने इस प्रकरण की एक वर्ष के भीतर सुनवाई कर फैसला सुनाने के निर्देश दिए हैं। मामले में बंधन बैंक, नागदा के सहायक बैंक प्रबंधक महेश धाकड़ की गवाही होनी है, लेकिन कई बार समन जारी होने के बावजूद वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए न्यायालय ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। बंधन बैंक के एक सहायक प्रबंधक और एक महिला कैशियर को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में यह पाया कि ठगी की 2.53 करोड़ रुपए की राशि देश के 6 राज्यों के 15 से अधिक शहरों के 548 बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। इसमें अब तक 20 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और 548 बैंक खातों की जांच की गई है। घटना 17 मार्च से 11 अप्रैल 2025 के बीच की है, जिसमें आश्रम के तत्कालीन सचिव स्वामी सुप्रदीप्तानंद को करीब 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 2.53 करोड़ रुपए की ठगी की गई थी।

बॉलीवुड में काम करना मेरा सपना, कहा- दीवा विजेता अवनी गुप्ता ने

ग्वालियर। दीवा 2025 विजेता अवनी गुप्ता ने कहा है कि आगामी समय में मिस वर्ल्ड के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करूंगी। मिस अवनी गुप्ता रविवार को ग्वालियर में मीडिया से चर्चा कर रही थीं। उन्होंने चर्चा करते हुए कहा कि मेरा सपना है कि मैं मिस वर्ल्ड का खिताब जीत कर बॉलीवुड में काम करूं इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए मैं अपने परिवार जनों का आभार मानती हूं जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने में पूर्ण समर्थन किया। उन्होंने युवाओं के बारे में कहा कि मॉडलिंग के लिए काफी मेहनत करना पड़ती है लेकिन कोई भी कार्य असंभव नहीं है इस अवसर पर समाजसेवी संस्था समर्पण ने अवनी गुप्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

क्षेत्रीय पार्षद मंगल यादव बोले नहीं है जानकारी

हेमसिंह की परेड की टंकी की चहारदीवारी तोड़ी, गेट लगाकर किया अतिक्रमण

■ ग्वालियर

शहर के वार्ड क्रमांक 53 हेमसिंह की परेड स्थित पानी की टंकी एक बार फिर भू-माफिया और अतिक्रमणकारियों के निशाने पर है। वर्ष 2013 में निर्मित यह पानी की टंकी जोन क्रमांक 20 में आती है और इससे शहर के छह वार्डों की लगभग दो लाख की आबादी को पेयजल आपूर्ति की जाती है। इतनी महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति के बावजूद यहां खुलेआम कब्जे की कोशिश ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नगर निगम द्वारा टंकी के चारों ओर बनाई गई चहारदीवारी को रविवार को चुपचाप तोड़ दिया गया और वहां बाकायदा गेट लगा दिया गया। हैरानी की बात यह है कि यह सब एक मंदिर की आड़ में किया गया। गेट को टंकी के अंदर खोला गया है। स्थानीय लोगों का कहना है

कि यह सुनियोजित साजिश है, जिसका मकसद टंकी से सटी कीमती जमीन पर धीरे-धीरे कब्जा जमाना है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी क्षेत्रीय पार्षद मंगल यादव को तक नहीं है, जबकि पानी की यह टंकी उनके ही वार्ड में स्थित है। कांग्रेस पार्षद और नगर निगम परिषद में उपनेता होने के बावजूद इस गंभीर मामले से अनभिज्ञ रहना या चुप रहना, दोनों ही स्थितियां संदेह पैदा करती हैं।

दो साल पहले भी की थी कोशिश

स्थानीय नागरिकों का आक्रोश इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि दो वर्ष पहले भी इसी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया गया था। तब क्षेत्रवासियों के कड़े विरोध के चलते काम रोकना पड़ा था। अब एक बार फिर वही कहानी दोहराई जा रही है, लेकिन इस बार तरीके ज्यादा शातिर और सुनियोजित नजर आ रहे हैं। नागरिकों ने मांग की है कि नगर निगम, जलकार्य विभाग और जिला प्रशासन तत्काल मौके पर पहुंचकर चहारदीवारी को पुन: बहाल कराए, अवैध गेट हटवाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। क्योंकि यह सिर्फ जमीन का मामला नहीं, बल्कि दो लाख लोगों के पानी और उनकी सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

इनका कहना है

यह बात सही है कि टंकी के नीचे कारे खड़ी होती है। लेकिन टंकी के पास चहारदीवारी तोड़कर गेट लगाया गया है मुझे इसकी जानकारी नहीं है, मैं सुबह जाकर दिखवाता हूं।

मंगल यादव, पार्षद

अगर बाउंड्री तोड़कर गेट लगाया गया तो संबंधित अधिकारियों को मौके पर भेज कर कार्रवाई की जाएगी।

संघप्रिय, निगमायुक्त

टंकी के नीचे अवैध पार्किंग, बड़ा हादसा संभव

पानी की टंकी के नीचे पार्किंग बनाई गई है, जहां अवैध रूप से कारें खड़ी की जा रही हैं। आशंका है कि यदि कोई वाहन टंकी के पिलर से टकरा गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक यहां कार खड़ी करने के एवज में प्रति वाहन करीब 1500 रुपये महीना वसूले जा रहे हैं। यह न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जनसुरक्षा के साथ खुला खिलवाड़ भी है।

आदर्श टीकाकरण केन्द्र में संचालित हो रही चिकित्सकों की ओपीडी

■ ग्वालियर

जिला अस्पताल के जच्चा खाने में शासन के निर्देश पर बच्चों के लिए आदर्श टीकाकरण केन्द्र तैयार किया गया है, ताकि टीकाकरण के लिए आने वाले शिशुओं और उनके अभिभावकों को सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल वातावरण मिल सके। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। आदर्श टीकाकरण केन्द्र में टीकाकरण की बजाय चिकित्सकों की ओपीडी संचालित की जा रही है, जिससे शासन की मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जच्चा खाना परिसर में बनाए गए इस आदर्श टीकाकरण केन्द्र को विशेष रूप से बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया था। केन्द्र में बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक खिलौने, दीवारों पर रंगीन पेंटिंग,

बैठने के लिए कुर्सियां, साफ-सुथरा वातावरण और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। इसका उद्देश्य यह था कि टीकाकरण के दौरान बच्चों को भय न लगे और अभिभावकों को भी सुविधा मिले।

इस आदर्श टीकाकरण केन्द्र के निर्माण और साज-सज्जा पर लगभग दो लाख रुपये खर्च किए गए।

शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, यहां नियमित रूप से बच्चों का टीकाकरण किया जाना था। लेकिन केन्द्र के तैयार होते ही वहां टीकाकरण की जगह चिकित्सकों की ओपीडी शुरू कर दी गई, जिससे बच्चों के लिए बनाया गया यह केन्द्र अपने मूल उद्देश्य से भटक गया। वर्तमान स्थिति यह है कि बच्चों का टीकाकरण ऐसे स्थान पर किया जा रहा है, जहां न तो बच्चों के बैठने की उचित व्यवस्था है और न ही उनके अभिभावकों के लिए पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है। कई बार परिजनों को खड़े होकर ही इंतजार करना पड़ता है। वहीं, टीकाकरण स्टाफ के लिए भी बैठने और कार्य करने की समुचित व्यवस्था नहीं है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है।

सम्पादकीय

ईरान में उबाल

ईरान में दशकों से जारी कट्टरपंथी शासन में गाहे-बगाहे प्रतिरोध के स्वर उभरते रहे हैं, जिनका दमन भी शक्ति से होता रहा है। लेकिन मौजूदा विरोध पिछले एक दशक में सबसे तीव्र है। प्रदर्शनकारियों के दमन और प्रदर्शनकारियों को मृत्यु दंड देने की चेतावनी के बाद नहीं लगता है कि जन-अशांति कम होगी। प्रदर्शनकारियों को ईश्वर का शत्रु बताने की ढाल ईरानी सत्ताधीशों को किस हद तक सुरक्षा कवच मुहैया कराएगी,कहना कठिन है। ये महज तात्कालिक उद्देश्य ही किसी हद तक पूरा कर सकता है। इतिहास गवाह है कि दमन से व्यापक असहमति को शायद ही कभी दबाया जा सका हो। जब भी सत्ताधीशों ने ताकत के बल पर जनभावनाओं का दमन किया, फौरी तौर पर भले ही वह दबता दिखता हो, लेकिन वास्तविकता ठीक इसके विपरीत होती है। भीतर-ही-भीतर आक्रोश सुलगता रहता है। कालांतर वह अधिक वेग से वापस लौटकर सत्ता में बदलाव लाता है। दुनिया में तमाम उदाहरण विभिन्न देशों में सामने आते हैं। वास्तव में ईरान का संकट एक एकीकृत धर्म आधारित सत्ता और खुलेपन की ओर बढ़ते समाज का टकराव है। विशेष रूप से सत्ता और युवा वर्ग के बीच खाई लगातार चौड़ी हुई है। ईरान के युवा दूसरे इस्लामिक व मध्यपूर्व के अन्य देशों में खुले समाज और विकास की नई ऊंचाइयों से प्रभावित हैं। वे अपने देश में ऐसा ही प्रगतिशील शासन देखने के आकांक्षी हैं। ये युवा गरिमामय जीवन, अधिक आर्थिक उन्नति के अवसर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, मौजूदा लोकतांत्रिक विश्व में सत्ता द्वारा संवाद के बजाय शक्ति पर निर्भरता, उसकी उस वैधता को ही कमजोर करती है, जिसे वह अपने हित में संरक्षित करना चाहती है। शासन द्वारा जनता की आवाजों को दबाने का उपक्रम अस्थायी शांति तो ला सकता है, लेकिन शासन के प्रति अविश्वास को बढ़ाता है और अलगाव की खाई को गहरा करता है। वहीं दूसरी ओर ईरान सरकार की दमनकारी नीतियों से वैश्विक समुदाय असहज महसूस कर रहा है। हालांकि, ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका के दुराग्रहों का शिकार रहा है, वे जब-तब ईरान सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों के बजाय भू-राजनीतिक हितों से ज्यादा प्रेरित रही है। ईरान की परमाणु नीति के चलते उस पर व्यापक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिससे धीरे-धीरे ईरान की आर्थिक स्थिति बदतर होती चली गई। फलस्वरूप महंगाई की मार से त्रस्त जनता सड़कों पर उतर आई। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव से स्थितियों में कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ है। लेकिन आम लोगों की जिंदगी ज्यादा कष्टकारी हो चली है। तेहरान के साथ भारत के कूटनीतिक व आर्थिक संबंध बेहतर रहे हैं, मौजूदा स्थिति में भारत को ईरान के साथ सावधानी के साथ संतुलित संबंध बनाये रखने होंगे। ईरान के विदेश मंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान बातचीत में इस नाजुक संतुलन की परीक्षा होगी। जिसे ईरान के आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

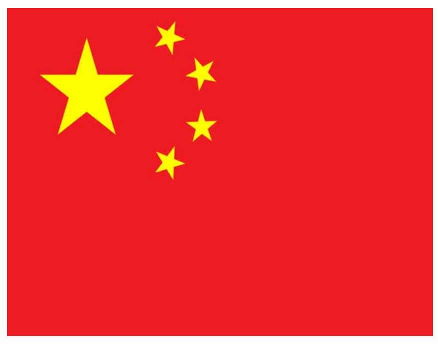

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। हिंदी के संदर्भ में देखें तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने की दस्तक के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि को समर्पित होगा। भारत और चीन के सितंबर महीने के भाषायी उत्साह में एक अंतर रहेगा, राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, जबकि चीन अपनी मंदारिन भाषा को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाने की ओर अग्रसर होगा। भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है। अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है। उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निमार्ता संस्था राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है।

यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है। अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है। उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निमार्ता संस्था राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है।

मादुरो की गिरफ्तारी से लातिन अमरीका में चीन की महत्वाकांक्षाओं को खतरा

टी. अरेड्डी

पिछले दो दशकों से चीन लातिन अमरीका में घनिष्ठ संबंध बना रहा है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमरीका द्वारा सत्ता से हटाए जाने से पश्चिमी गोलार्ध में चीनी नेता शी जिनपिंग के लिए स्थिति अचानक बदल गई है। गत शुक्रवार दोपहर को शी जिनपिंग के विशेष दूत वेनेजुएला के राष्ट्रपति भवन में थे और मादुरो के साथ हंसी-मजाक कर रहे थे, जब दक्षिण अमरीकी नेता मंदारिन में कुछ शब्द बोलने की कोशिश कर रहे थे। यह घटना अमरीकी विशेष बलों द्वारा 150 सैन्य विमानों के साथ काराकास में प्रवेश करने और तानाशाह को पकडने से कुछ ही घंटे पहले हुई थी। चीन अमरीका द्वारा एक संप्रभु राज्य के खिलाफ बल के खुले प्रयोग और उसके राष्ट्रपति पर हमले से बेहद आहत है और इसकी कड़ी निंदा करता है। बीजिंग के विदेश मंत्रालय ने अमरीकी कार्रवाई पर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में कहा। इस भाषा से उस स्थिति पर हैरानी जाहिर होती है जो उसके नियंत्रण से बाहर थी। मादुरो के सत्ता से बेदखल होने से शी जिनपिंग की क्षेत्रीय राजनीतिक रणनीति में उथल-पुथल मच गई है, जिससे तेल आपूर्तिकर्त्ता और वाशिंगटन के लिए एक विश्वसनीय चुनौती बने वेनेजुएला की भविष्य की दिशा पर सवाल उठ रहे हैं। चीन ने मादुरो की रिहाई की मांग की है और सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक का इस्तेमाल अमरीकी कार्रवाई की निंदा करने के लिए किया, इसे वर्चस्ववादी कार्रवाई बताया। संयुक्त राष्ट्र में बीजिंग की उप स्थायी प्रतिनिधि सुन लेल ने रूस के साथ मिलकर अमरीकी कार्रवाई को बहुपक्षवाद की अस्वीकृति और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया। फिर भी, विश्लेषकों का कहना है कि मादुरो के आर्थिक कुप्रबंधन से वर्षों से चली आ रही निराशा के बाद बीजिंग उनके लिए ज्यादा आंसू नहीं बहाएगा और ऊर्जा, खनन आदि क्षेत्रों में अपने हितों की रक्षा के लिए संभवतरू देश के अगले राष्ट्रपति को जल्दी ही मान्यता दे देगा। सप्ताहांत में तनाव कम हुआ और सोमवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि वेनेजुएला के साथ द्विपक्षीय सहयोग जारी रहेगा। वेनेजुएला की राजनीतिक स्थिति में बदलाव के बावजूद, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने की चीन की तत्परता अपरिवर्तित रहेगी, और वेनेजुएला में चीन के वैध हितों की रक्षा की जाएगी। राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रशासन द्वारा पिछले महीने जारी की गई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के कुछ दिनों बाद, जिसमें लातिन अमरीका में गैर-गोलार्धीय प्रतिस्पध्र्यों को रोकने की प्रतिज्ञा के साथ चीन की ओर इशारा किया गया था, बीजिंग ने अपनी रणनीति जारी कर इसकी पुष्टि की-क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहने की इसकी प्रतिबद्धता। बीजिंग के नए नीति पत्र में कहा गया है कि वह पूरे लातिन अमरीका में राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए खड़ा है और वर्चस्ववाद और सत्ता की राजनीति का विरोध करेगा। अगर वाशिंगटन खुद को पुलिस की भूमिका में स्थापित करता है या क्षेत्रीय देशों पर चीन के खिलाफ अपनी पकड़ मजबूत करने का दबाव डालता है, तो अन्य देशों पर भी इसका असर पड़ेगा। बीजिंग की अपनी आथ्र्यक मंदी ने इसकी उदारता को कम कर दिया है, जबकि स्थानीय सरकारें अमरीका के साथ भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में इसका मोहरा बनने को लेकर तेजी से सतर्क हो रही हैं। इस बीच, वेनेजुएला में बीजिंग के लिए दाव को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने में जोखिम है। हालांकि चीन अंततरू वेनेजुएला के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन यह चीन के आयात का 1 प्रतिशत से भी कम है और निवेश के मामले में यह क्षेत्र में चीन का 9वां सबसे बड़ा देश है। वेनेजुएला का महत्व इस तथ्य में निहित है कि बीजिंग को मादुरो से इतनी निराशा क्यों है-वजह है उस पर भारी कर्ज। विलियम एंड मैरी की अनुसंधान प्रयोगशाला एडडाटा के अनुसार, परियोजना प्रतिबद्धताओं में लगभग 106 बिलियन डॉलर शामिल हैं। लेकिन लातिन अमरीकी मामलों को विशेष प्रतिनिधि क्यू शिआओकी का शहर में होना ही बीजिंग की खुफिया विफलता को दर्शाती है, क्योंकि वह अमरीकी हमले का अनुमान नहीं लगा पाया था। मादुरो और उनकी (तब संभावित) उत्तराधिकारी, उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने क्यू की मेजबानी एक ऐसे कमरे में की, जिसमें लातिन अमरीकी मुक्तिदाता साइमन बोलिवर की एक पेंटिंग लगी हुई थी और चीनी प्रतिनिधिमंडल ने द्विपक्षीय संबंधों के 52 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उपहार के रूप में एक चीनी मिट्टी का फूलदान भेंट किया।

कैसे हल हो भारत में दूषित जल की समस्या?

विनीत नारायण

भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, आज दूषित जल के एक गंभीर संकट से जूझ रहा है। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से 2025-2026 में, नल के दूषित पानी से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और 26 शहरों में 34 मौतें हुईं। ये आंकड़े न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि एक बड़ी राष्ट्रीय समस्या की ओर इशारा करते हैं। भारत की प्रमुख नदियां, जैसे गंगा और यमुना, औद्योगिक अपशिष्ट, अनुपचारित सीवेज और कृषि अपवाह से बुरी तरह प्रदूषित हैं। विश्व जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है और लगभग 70 प्रतिशत भूजल स्रोत दूषित हैं। दूषित जल की समस्या भारत में बहुआयामी है। मुख्य कारणों में अनुपचारित सीवेज सबसे बड़ा है, जो नदियों और भूजल को प्रदूषित करता है। इसके अलावा, कृषि से निकलने वाले कीटनाशक और उर्वरक तथा उद्योगों से निकलने वाले रसायन, जैसे भारी धातु और विषाक्त पदार्थ जल स्रोतों को नष्ट कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, कपड़ा और चमड़ा उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट कई नदियों को प्रभावित कर रहा है। 163 मिलियन भारतीयों के पास सुरक्षित पेयजल की पहुंच नहीं है और 21 प्रतिशत संक्रामक रोग जल से संबंधित हैं। हाल ही में इंदौर और अन्य शहरों के घटनाक्रमों ने इस समस्या को और उजागर किया है। यह असंगति सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। पूरे देश में टाइफाइड जैसे रोग फैल रहे हैं, जो दूषित पानी से जुड़े हैं। आर्थिक रूप से, यह संकट उत्पादकता को प्रभावित करता है,

क्योंकि बीमारियां कार्यबल को कमजोर करती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से, यह जैव विविधता को भी नुकसान पहुंचाता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है। सरकार की उदासीनता इस समस्या का एक प्रमुख कारण है। केंद्र सरकार पर आरोप है कि वह स्वच्छ जल और स्वच्छ हवा प्रदान करने में विफल रही है। विपक्ष के अनुसार मुख्य कारणों में कमी नियमों की है, जिनमें अत्यधिक निजीकरण, सरकारी भ्रष्टाचार और सामान्य उपेक्षा शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार चुनावी वादे जैसे हर घर जल योजना लागू तो हुई, लेकिन गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। भ्रष्टाचार के कारण फंड का दुरुपयोग होता है और स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा अभी भी पुराना है। सीवेज और पेयजल लाइनों की मिश्रण जैसी समस्याएं आम हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, जल गुणवत्ता 2025-26 में एक प्रमुख चुनौती है लेकिन इस गंभीर चुनौती को कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) को स्थानांतरित करने की बजाय सरकार को अधिक सक्रिय होना चाहिए। यह उदासीनता न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है, बल्कि सामाजिक असमानता को भी बढ़ाती है, क्योंकि इससे गरीब तबके के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूषित जल की समस्या का समाधान संभव है, यदि बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाए। सबसे पहले, स्रोत पर प्रदूषण को रोकना जरूरी है। उद्योगों को अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित करने के लिए बाध्य किया जाए। कृषि में जैविक खेती को प्रोत्साहित करें, ताकि रसायनों का अपवाह कम हो। सीवेज उपचार को 100 प्रतिशत बनाना चाहिए, जो वर्तमान में अपर्याप्त है। आंकड़े बताते हैं कि पश्चिमी देशों के अनुभव काफी उपयोगी साबित हुए हैं। स्विट्जरलैंड में शहरी जल उपचार की गुणवत्ता सर्वोच्च है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वहां का नल का पानी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। वे अपशिष्ट जल को पुनर्चक्रित करते हैं, जो कई देशों में अपनाया जाता है। यूरोप में ब्लू रिवोल्यूशन रणनीति कुशल उपयोग, अपशिष्ट कमी और पारिस्थितिक संतुलन पर जोर देती है। प्रबंधित एक्विफर रिचार्ज (एम.ए.आर.) जैसी विधियां अपनाई जाती हैं, जिसमें नदी तलों को समायोजित करना, बैंक फिल्ट्रेशन, सतही पानी का वितरण और रिचार्ज कुओं का उपयोग शामिल है। वहीं अमरीका और यूरोप में मेम्ब्रेन सैपरेशन टैक्नोलॉजी, सोलर वाटर डिसइंफैक्शन (एस.ओ.डी.आई.एस.) और सिरेमिक फिल्ट्रेशन जैसी तकनीकें आम हैं। यूरोपीय संघ में जल बचत पर जोर है, विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने के लिए। काऊंसिल ऑफ यूरोपियन बैंक ने 16 देशों में जल और स्वच्छता परियोजनाओं में 1.8 बिलियन यूरो का निवेश किया है। प्रकृति-आधारित समाधान (एन.बी.एस.) यूरोप में जल प्रबंधन में उपयोगी हैं, जैसे वैटलैंड्स और वन क्षेत्रों का उपयोग फिल्टर के रूप में किया जाना। भारत को पश्चिमी अनुभवों से सीखते हुए उनके सफल उपायों को अपनाना चाहिए। स्थानीय समुदायों को शामिल करने पर भी जोर दिया जाए, नवीनतम तकनीकी का नवाचार करने पर भी जोर देने की आवश्यकता है।

मोदी के हाथ में त्रिशूल और डमरू

गले में भगवा गमछा, माथे पर त्रिपुंड और हाथों में भगवान शिव की तरह त्रिशूल और डमरू पकड़े हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया अवतार सामने आया है। अलग-अलग विचारधारा और कार्यशैली के प्रधानमंत्री देश ने देखे हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसे प्रधानमंत्री को देश देख रहा है, जिनकी वक्त-वक्त पर बदलती वेशभूषा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता की याद दिलाती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी कोई भी काम अकारण नहीं करते। इस बार हिंदुत्व का जयघोष करने वाली मुद्रा उन्होंने सोमनाथ में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित श्सोमनाथ स्वाभिमान पर्वश के लिए धारण की। इस उत्सव को श्भव्यश बनाने में गुजरात की भाजपा सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि इसके गहरे राजनैतिक निहितार्थ भी हैं।एक हजार साल पहले1026 में सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला हुआ था। उसी याद में यह उत्सव मनाया जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के 12 ज्योतिलिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिलिंग सोमनाथ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था, जिसका उल्लेख ऋग्वेद में भी है। लोककथाओं के अनुसार यहीं श्रीकृष्ण ने देहत्याग किया था। यह ऐतिहासिक मंदिर अब भाजपा के लिए राजनैतिक महत्व का भी बन गया है प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, श्यह उत्सव विनाश को याद करते हुए नहीं बल्कि आस्था, सांस्कृतिक आत्मसम्मान और पुनर्जन्म की भावना के सम्मान के रूप में मनाया जा रहा है।श दरअसल प्राचीन सोमनाथ मंदिर में कई गांवों का चढ़ावा आता था, जिससे यहां सोने, चांदी, बड़ी संख्या में मोतियों और अनमोल रत्नों समेत बड़ी धनसंपदा सदियों से जमा थी और इस वजह से विदेशी हमलावर इसे लूटना चाहते थे। महमूद गजनी ने 1026 में जब भारत पर एक और आक्रमण किया तो उस समय गुजरात में चालुक्य वंश के राजा भीम प्रथम का शासन था, महमूद गजनी ने तभी सोमनाथ पर पहला आक्रमण किया था। इसके बाद कई और शासकों और आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर हमले किए और इसकी धन संपदा को लूटा। मध्ययुग का वह दौर ऐसा ही था, जिसमें राज्य और शक्ति बढ़ाने के लिए शासक खुलेआम लूटपाट करते थे। अभी अमेरिका इसी तरह के काम कर रहा है, बस इसमें लोकतंत्र का आवरण ओढ़ लिया है और सीधे-सीधे गैर धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया जा रहा है।खैर, सोमनाथ पर कम से कम 16 बार आक्रमण और देश के दूसरे हिंदू धर्मस्थानों पर हुए आक्रमण के बावजूद देश से न हिंदू धर्म खत्म हुआ, न हिंदुओं के अस्तित्व पर कोई खतरा आया। लेकिन मोदीराज में आस्था के पुनर्जन्म के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च करके सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया गया। सोमनाथ पर भाजपा पहले भी सफल दांव खेल चुकी है। दिसंबर 1989 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने पहली बार अपने चुनावी घोषणापत्र में राम मंदिर (अयोध्या) निर्माण के मुद्दे को शामिल किया था। तब उसकी लोकसभा सीटें बढ़ीं, फिर 1991 में लाल कृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक अपनी रथ यात्रा शुरू की, जिसके बाद भारत में वही धार्मिक विभेद की खाई गहरी होनी शुरू हुई, जो भाजपा की सत्ता के लिए जरूरी थी। 1992 में बाबरी मस्जिद तोड़ी गई। फिर 1996 में भाजपा को केंद्र की सत्ता में आने का मौका पहली बार मिला। और अब नरेन्द्र मोदी के आने के बाद तो 12 सालों से भाजपा के पास सत्ता है। ध्यान रहे कि आडवाणी की रथयात्रा में गुजरात में नरेन्द्र मोदी को बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे मोदी ने सफलतापूर्वक निभाया।सवाल भाजपा को सत्ता में लाने का था, तो नरेन्द्र मोदी ने पूरी तैयारी से अपनी जिम्मेदारी निभाई। लेकिन अभी प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल संभालने के बाद मोदी लगातार अपने पद की गरिमा निभाने में नाकाम दिख रहे हैं। इंदौर में कई लोग दूषित पेयजल से मर गए, मोदी ने उफ तक नहीं की। दिल्ली से लेकर कई शहरों में हवा जानलेवा बनी हुई है। उन्नाव की पीड़िता इंसाफ के लिए लड़ती रही, मोदी चुपचाप देखते रहे। अभी अंकिता भंडारी मामले में लोगों ने आक्रोश न दिखाया होता तो भाजपा सरकार बेफिक्र बैठी रहती। उत्तरप्रदेश में लगातार महिला उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। एसआईआर में एक तरफ कई बीएलओ काम के बोझ से मर गए, तो दूसरी तरफ बुजुर्ग और गरीब मतदाता परेशान हो रहे हैं, मोदी को इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा। अरावली के पहाड़ काटने से लेकर मनरेगा खत्म करने जैसे बेसिरपैर के फैसले ले लिए गए। विपक्षी दलों को दुश्मन समझ कर उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। देश में महंगाई और बेरोजगारी संभल नहीं रही है। रूपया कितना गिर गया है, इस बारे में मोदी बात नहीं करते। ट्रंप हर दूसरे दिन मोदी और देश का अपमान कर रहे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ऊटपटांग तर्क देकर ट्रंप और मोदी के अच्छे रिश्तों की गवाही दे रहा है। गलवान का हमला और सैनिकों की शहादत भुलाई जा चुकी है और अब चीन के साथ व्यापार शुरू हो गया है। पहलगाम और दिल्ली के आतंकी हमलों पर क्या कार्रवाई हो रही है, इसकी कोई चर्चा नहीं होती। यानी मोदी चाहें तो उनके पास करने के लिए ढेरों काम हैं।

बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन, ऊर्जा मंत्री भाग गया के लगे नारे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। संविदा कर्मचारियों का कहना है कि कर्मचारी विभिन्न जनपदों से चलकर लखनऊ आए, लेकिन ऊर्जा मंत्री मिले नहीं। संपर्क करने की कोशिश की गई तो बताया गया कि वह बाहर हैं। इस पर बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने कालिदास मार्ग स्थित उर्जा मंत्री एके शर्मा के घर के बाहर भाग गया भाई भाग गया ऊर्जा मंत्री भाग गया, होश में आओ भाई होश में आओ और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। इस पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। वहीं, कुछ साथी नारेबाजी करते हुए इको गार्डन की ओर चल दिए। मौके पर कर्मचारी खुद की मांगों को लेकर विरोध कर रहे थे। वह नौकरी से निकाले जाने और वेतन कटौती से नाराज हैं। इसके साथ ही विभाग के प्राइवेटाइजेशन किए जाने की व्यवस्था से भी नाराजगी बढ़ी हुई है। संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष देवेंद्र पांडे का कहना है कि ऊर्जा मंत्री के नहीं मिलने के चलते कर्मचारी मायूस हैं।

रिश्तों में दूरी क्यों जरूरी है? ये सच जानकर सोच बदल जाएगी

प्यार में साथ रहना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी कुछ दूरी भी है। दो लोगों के बीच स्पेस रिश्ते को मजबूत बनाता है। हमेशा एक दूसरे के साथ रहने वाले अंदर से खोखला रिश्ता निभा रहे होते हैं। प्यार का अर्थ अक्सर गलत समझ लिया जाता है। हम मान लेते हैं कि जितना ज्यादा हम साथ रहते हैं, उतना ही गहरा रिश्ता होता है। हर पल साथ रहना, हर बात शेयर करना और हर सांस में साथी की मौजूदगी, इसे ही लोग सच्चा प्यार समझ बैठते हैं। लेकिन सच्चाई थोड़ी अलग होती है। प्यार का मतलब हर वक्त साथ रहना नहीं होता। रिश्ते भी सांस लेते हैं और सांस लेने के लिए स्पेस चाहिए। जहां स्पेस खत्म होता है, वहीं घुटन शुरू होती है। आज के रिश्तों में सबसे बड़ी गलती यही हो रही है कि लोग अपने पार्टनर संग इतनी ज्यादा करीबी चाहते हैं कि खुद को खो बैठते हैं। मोबाइल, चैट, कॉल और हर पल की अपडेट, इनसब के कारण प्यार अब साथ रहने से ज्यादा नजर रखने का नाम बनता जा रहा है। इसका नतीजा है, रिश्ते में घुटन, शक और चिड़चिड़ापन बढ़ना। थोड़ी दूरी प्यार को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे मजबूत बनाती है। जीवन में संतुलन के लिए कुछ समय खुद के लिए, कुछ समय दोस्तों के लिए और कुछ समय रिश्ते के लिए देना चाहिए। रिश्ते में दूरी के कई फायदे हैं। दूरी से भावनाओं को समझने का मौका मिलता है, संवाद बेहतर होता है और साथ बिताया गया समय बोझ नहीं लगता है। आइए जानते हैं कि मजबूत रिश्ते के लिए दूरी क्यों जरूरी है और बहुत ज्यादा करीबी का रिश्ते पर क्या असर पड़ता है?

हर वक्त साथ रहना रिश्ते क्यों बिगाड़ देता है?

अपनी पहचान खोने लगती है

जब हर समय पार्टनर के साथ रहने की आदत बन जाती है, तो व्यक्ति अपनी रुचियां, दोस्त और स्पेस खो देता है।

एक ही रिश्ते में सिमटकर रह जाने से व्यक्ति के भीतर खालीपन और चिड़चिड़ापन पैदा होता है।

प्यार आदत में बदल जाता है

लगातार साथ रहने से रोमांच खत्म होने लगता है।

जो चीज हमेशा उपलब्ध हो, उसकी कद्र धीरे-धीरे कम हो जाती है।

प्यार में रोमांस कम आदत ज्यादा शामिल हो जाती है।

इस तरह के रिश्ते भावनाओं पर नहीं, जरूरतों पर निर्भर हो जाते हैं।

शक और कंट्रोल बढ़ता है

हर वक्त साथ रहने की चाह अक्सर कंट्रोल में बदल जाती है।

कुछ देर की दूरी कई सवाल खड़े कर देती है, जैसे- कहां हो, किससे हो, क्यों जवाब नहीं दिया।

यहीं से रिश्ते जहरीले होने लगते हैं।

बहस और छोटी बातों पर झगड़े

जब दो लोग हर समय एक-दूसरे के स्पेस में होते हैं, तो छोटी-छोटी बातें भी बड़ी लगने लगती हैं।

दूरी इन टकरावों को शांत करती है।

हमेशा साथ रहने पर मनमुटाव ज्यादा होने की संभावना रहती है।

दूरी रिश्ते को क्यों मजबूत बनाती है?

थोड़ी दूरी से साथी की याद आती है।

दूरी से एक दूसरे के लिए सम्मान बढ़ता है।

दूर रहने से बातचीत में गहराई आती है।

यही दूरी प्यार को फिर से ताजा करती है।

मकर संक्रांति की पूजा में दिखाएं अपना सादगीभरा अंदाज, ये टिप्स हैं काम की

अगर आप मकर संक्रांति के मौके पर सादगीभरा अंदाज दिखाना चाहते हैं तो ये लेख आपके काम का है। हम आपको यहां पुरुषों और महिलाओं सभी के लिए आउटफिट आइडिया देंगे। मकर संक्रांति भारतीय त्योहारों में से एक है, जिसे पूरे देश में धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है। ये त्योहार खासतौर पर फसल कटाई, सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने घरों को सजाते हैं, और खूब सारा दान करते हैं। इस मौके पर नये कपड़े पहनने का भी रिवाज है। तो अगर आप इस मकर संक्रांति पर सादगीभरा और स्टाइलिश अंदाज दिखाना चाहते हैं, तो सही आउटफिट चुनना बहुत जरूरी है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ऐसे कई आउटफिट विकल्प हैं, जो पारंपरिक होने के साथ-साथ आरामदायक और फैशनेबल भी हैं। इस लेख में हम आपको मकर संक्रांति के लिए आसान और आकर्षक आउटफिट आइडियाज देंगे, जिनसे आप त्योहार के दिन स्टाइल और सादगी दोनों का सही मिश्रण दिखा सकें।

महिलाओं के लिए पहला विकल्प

मकर संक्रांति के मौके पर अगर आप चाहें तो पीले रंग की साड़ी पहन सकती हैं

पीला रंग इस पूजा के लिए काफी शुभ माना जाता है।

इसके साथ बालों में भी अलग स्टाइल बनाएं।

इस तरह की साड़ी के साथ मेकअप और ज्वेलरी को हल्का ही रखें, वरना आपका लुक अजीब दिखेगा।

दूसरा विकल्प

कुछ सिंपल पहनने का मन है तो इस तरह के फ्लोरल सूट से बेहतर विकल्प माना जाएगा।

ऐसा सूट हर महिला के पास बेहद आसानी से मिल जाएगा।

अगर पीले रंग का सूट नहीं है तो आप लाल या हरे रंग का सूट भी कैरी कर सकती हैं।

इसके साथ अपने बालों को खुला रखें, ताकि आपका लुक प्यारा दिखे।

इन बातों का ध्यान रखें

मकर संक्रांति की पूजा के दौरान ज्यादा मेकअप करने से बचें।

ज्यादा हैवी ज्वेलरी आपके लुक को बिगाड़ने का काम करेगी।

हील्स पहनने की बजाय मोजरी या फिर फ्लैट चप्पलों को जगह दें।

अकेले ट्रेवल करना चाहती हैं तो ये जगहें हैं लड़कियों के लिए हैं सबसे बेस्ट

अगर आप अकेली महिला हैं और घूमने की शौकीन हैं तो हम आपको ऐसी जगहों की जानकारी देंगे, जो महिलाओं के लिए एकदम सेफ हैं। एक समय था जब लड़कियां अकेले घर से बाहर निकलने से डरती थीं, लेकिन बदलते समय के साथ अब महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसके साथ-साथ वो अकेले यात्रा करने का प्लान भी कर रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सोलो ट्रैवलिंग एक बेहतरीन तरीका है अपनी खुद की दुनिया को जानने और अनुभवों को सहेजने का। अकेले यात्रा करने से आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और नई चीजों का अनुभव मिलता है। हालांकि, जब आप अकेले यात्रा करने का सोचती हैं तो ये जरूरी है कि आप ऐसी जगहों का चयन करें जहां सुरक्षा, सुविधा और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण हो। भारत में कई ऐसी अद्भुत जगहें हैं जो लड़कियों के लिए सबसे उपयुक्त मानी हैं, जहां न सिर्फ आप सुकून से यात्रा कर सकती हैं बल्कि अपने सफर को और भी यादगार बना सकती हैं। हम आपको ऐसी कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं जहां लड़कियां अकेले बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकती हैं और अपने सफर का भरपूर आनंद ले सकती हैं।

उदयपुर, राजस्थान

झीलों का शहर उदयपुर, अपनी शांति, ऐतिहासिक धरोहर और खूबसूरत झीलों के लिए प्रसिद्ध है।

यहां की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था और शांतिपूर्ण वातावरण, महिलाओं के लिए आदर्श हैं।

यहां के किलों और महलों की सैर करने का अपना अलग ही अनुभव होता है।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

मनाली भारत के सबसे सुरक्षित और प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है।

यहां की प्राकृतिक सुंदरता और ठंडी हवा अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए आदर्श बनाती है।

मनाली में महिलाएं अकेले ट्रैकिंग, रिवर राफ्टिंग और एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद भी ले सकती हैं।

गोवा

गोवा में कैंडोलिम, बागा और कलंगुट बीच महिलाओं के लिए एक बेहतरीन जगह है।

गोवा में नाइटलाइफ, समुंदर किनारे की सैर और सैलानी कल्चर बहुत ही आकर्षक हैं।

यहां का परिवहन सुरक्षित और सहज है, और महिलाएं यहां आराम से अकेले घूम सकती हैं।

गोवा का सांस्कृतिक परिवेश भी महिलाओं के लिए सुरक्षित है।

कूर्ग, कर्नाटका

कूर्ग एक बेहद सुंदर और सुरक्षित स्थल है, जो महिलाओं के लिए आदर्श है।

ये हिल स्टेशन अपनी चाय के बागानों, झरनों और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता है।

यहां के वातावरण में आपको शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद मिलेगा।

केरल

केरल जिसे ₹भारत का स्वर्ग₹ भी कहा जाता है, एक बेहद सुरक्षित राज्य है।

यहां की वायनाड, मुन्नार और अल्लेप्पी जैसी जगहें महिलाओं के लिए आदर्श हैं।

केरल में शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर अनुभव किया जा सकता है।

यहां की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था भी काफी सुरक्षित और महिला-अनुकूल है।

पुरी, ओडिशा

पुरी में न केवल समुद्र तट की सुंदरता है, बल्कि यहां की ऐतिहासिक संस्कृति भी बहुत समृद्ध है।

यहां की शांतिपूर्ण और धार्मिक वातावरण के कारण महिलाएं अकेले यात्रा करने के लिए सुरक्षित महसूस करती हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर की धार्मिक यात्रा भी एक शानदार अनुभव देती है।

सर्दियों में जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, अपनाएं ये घरेलू उपाय तुरंत मिलेगा आराम

अक्सर ठंड के दिनों में जोड़ों के दर्द की समस्या बढ़ जाती है, ऐसे में जिन्हें पहले से ही परेशानी होती है वो और परेशान हो जाते हैं। इसलिए आइए इस लेख में इस समस्या से बचने के बारे में कुछ घरेलू उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं। सर्दियों का मौसम आते ही जोड़ों का दर्द और अकड़न की समस्या कई गुना बढ़ जाती है, खासकर बुजुर्गों और गठिया के मरीजों के लिए यह समय काफी कष्टदायक होता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार तापमान में गिरावट के कारण हमारे शरीर की नसों में संकुचन होता है और खून का संचार धीमा पड़ जाता है, जिससे जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द महसूस होता है। साथ ही वायुमंडलीय दबाव कम होने से ऊतकों में सूजन आ जाती है, जो नसों पर दबाव डालती है। अगर आप भी सुबह उठते समय घुटनों, कंधों या कूल्हों में तेज दर्द और जकड़न महसूस करते हैं, तो आपको दवाओं के बजाय कुछ पारंपरिक और प्रभावी घरेलू उपायों पर ध्यान देने की जरूरत है। सही खान-पान, गर्म सिकाई और हल्की मालिश के जरिए आप बिना किसी दुष्प्रभाव के इस दर्द से राहत पा सकते हैं।

सर्दियों में जोड़ों के दर्द के मुख्य कारण क्या हैं?

ठंड के दिनों में जोड़ों में दर्द होने के पीछे कई वैज्ञानिक और शारीरिक कारण होते हैं-

कम तापमान के कारण शरीर गर्मी बचाने के लिए रक्त को अंगों के बजाय कोर की ओर भेजता है, जिससे जोड़ों में प्रवाह कम हो जाता है।

जोड़ों के बीच का प्राकृतिक लुब्रिकेंट ठंड में गाढ़ा हो जाता है, जिससे घर्षण और अकड़न बढ़ती है।

धूप की कमी के कारण शरीर में विटामिन-डी का लेवल गिर जाता है, जो हड्डियों और जोड़ों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है।

ठंड की वजह से लोग एक्सरसाइज कम करते हैं, जिससे जोड़ सख्त हो जाते हैं।

दर्द से तुरंत राहत पाने के प्रभावी घरेलू उपाय क्या हैं?

आप घर पर मौजूद कुछ प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को नियंत्रित कर सकते हैं-

सरसों के तेल में लहसुन और अजवायन जलाकर उस तेल से जोड़ों की मालिश करें, यह रक्त संचार बढ़ाता है।

हल्दी में मौजूद 'करक्यूमिन' और अदरक के सूजनरोधी गुण दर्द को अंदर से ठीक करने में मदद करते हैं।

हीटिंग पैड या गर्म पानी की बोतल से सिकाई करने से मांसपेशियों को आराम मिलता है और अकड़न कम होती है।

रातभर भीगे हुए मेथी के दानों का सुबह सेवन करने से जोड़ों के पुराने दर्द में काफी आराम मिलता है।

खान-पान और जीवनशैली में क्या बदलाव करें?

सर्दियों में जोड़ों को स्वस्थ रखने के लिए आपकी डाइट और रूटीन बहुत मायने रखते हैं-

अखरोट, अलसी के बीज और मछली का सेवन करें, जो जोड़ों की सूजन को कम करते हैं।

पानी कम पीने से जोड़ों का लुब्रिकेशन कम हो सकता है, इसलिए दिनभर गुनगुना पानी पीते रहें।

घर के अंदर ही योगासन या स्ट्रेचिंग करें ताकि जोड़ों में लचीलापन बना रहे।

रोजाना कम से कम 20 मिनट सुबह की गुनगुनी धूप लें ताकि विटामिन-डी की पूर्ति हो सके।

सावधानी ही सबसे बेहतर समाधान

जोड़ों का दर्द सर्दियों में एक सामान्य समस्या हो सकती है, लेकिन इसे अनदेखा करना खतरनाक है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर लोग दर्द के लिए पेनकिलर्स का सहारा लेते हैं, जो किडनी पर बुरा असर डाल सकते हैं। प्राकृतिक घरेलू उपचार न केवल सुरक्षित हैं बल्कि जड़ों से समस्या को कम करते हैं। अगर दर्द के साथ सूजन बहुत ज्यादा हो या बुखार आए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

काले रंग की मूर्ति, राजा का दरबार और सीता का कुंआ, जानें भारत के ये 4 मंदिर

भारत मंदिरों का देश है, जहां देवी-देवताओं के पवित्र स्थल हर कोने में मिलते हैं। इनमें से भगवान राम का स्थान विशेष है, जिन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम और भगवान विष्णु का सातवां अवतार माना जाता है। अयोध्या के राम मंदिर के अलावा देशभर में कई ऐसे राम मंदिर हैं, जिनकी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक कहानी बहुत ही रोचक है।

भद्राचलम का सीता राम चंद्रस्वामी मंदिर (तेलंगाना)

तेलंगाना के गोदावरी नदी के तट पर स्थित भद्राचलम मंदिर भगवान राम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण को समर्पित है। यह मंदिर भगवान राम के वनवास काल से जुड़ा हुआ है। रामनवमी और अन्य उत्सवों पर लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन करते हैं। मंदिर में आने वाले भक्तों का अनुभव है कि भगवान की दिव्य ऊर्जा आज भी परिसर में महसूस की जा सकती है।

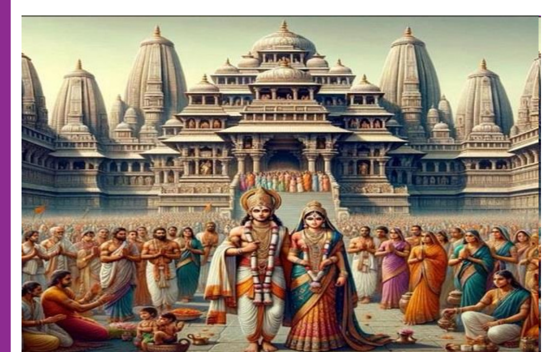

नासिक का कालाराम मंदिर (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के नासिक में स्थित कालाराम मंदिर की खासियत भगवान राम की काले पत्थर की मूर्ति है। मूर्ति की ऊंचाई 7 फीट है और इसे बनाने में 12 साल लगे। मंदिर के निर्माण का श्रेय सरदार रंगराव ओढेकर को जाता है। भक्त मंदिर में पूजा करने से पहले पवित्र गोदावरी नदी में स्नान करते हैं। यहां आस्था यह है कि भगवान राम अपने वनवास काल में इसी नदी में स्नान किया करते थे।

ओरछा का श्रीराम राजा का मंदिर (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के ओरछा में स्थित यह मंदिर भगवान राम को राजा के रूप में पूजने के लिए प्रसिद्ध है। इसे 16वीं सदी में बुंदेला राजा मधुकर शाह ने शाही महल में बदलवाया। मंदिर में प्रतिदिन रॉयल गार्ड ऑफ ऑनर के साथ पूजा होती है। यहां की कहानी के अनुसार, रानी गणेश कुंवर अयोध्या से मूर्ति ला रही थीं, लेकिन भगवान के आदेश से यात्रा रुकी और मंदिर में विराजमान हो गई।

अमृतसर का श्रीराम तीरथ मंदिर (पंजाब)

पंजाब के अमृतसर में स्थित यह मंदिर आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष है। कहा जाता है कि यही वह आश्रम था, जहां महर्षि वाल्मिकी ने रामायण की रचना की। मंदिर के पास सीता देवी का पुराना कुंआ है, जहां उनके रोजमर्रा के कार्य किए जाते थे। भक्तों का विश्वास है कि इस मंदिर में पूजा करने से बच्चों को आशीर्वाद और जीवन में सुख-समृद्धि मिलती है। भारत के ये मंदिर सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन मंदिरों का दर्शन श्रद्धालुओं को मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और जीवन में सकारात्मकता का अनुभव कराता है।

क्यों घर के अंदर नहीं पहनने चाहिए जूते? डॉक्टर ने बताया सेहत को होने वाले बड़े नुकसान

अक्सर लोग घर के अंदर भी जूते या चप्पल पहनकर चलने लगते हैं। यह आदत भले ही सामान्य लगती हो, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक यह आपकी सेहत के लिए धीमे जहर की तरह काम कर सकती है। बाहर पहने गए जूतों के साथ घर के अंदर गंदगी, बैक्टीरिया, वायरस और जहरीले केमिकल्स भी पहुंच जाते हैं, जो कई गंभीर बीमारियों की वजह बन सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, घर में जूते पहनना सीधे तौर पर इंफेक्शन और एलर्जी का खतरा बढ़ाता है। यही वजह है कि वे घर में नो शूज पॉलिसी अपनाने की सलाह देते हैं।

घर के अंदर क्यों नहीं लाने चाहिए जूते-चप्पल?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, बाहर पहने जाने वाले जूतों के तलवों में सड़कों की मिट्टी, थूक के सूक्ष्म कण, जानवरों का मल, कीटनाशक और टॉक्सिक केमिकल्स चिपक जाते हैं। जब यही जूते घर के अंदर पहने जाते हैं, तो ये सभी हानिकारक तत्व फर्श के जरिए पूरे घर में फैल जाते हैं, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं और बीमारियों का खतरा कई

गुना बढ़ जाता है।

बच्चों के लिए क्यों है यह आदत ज्यादा खतरनाक?

घर में जूते पहनना बच्चों के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है।

छोटे बच्चे अक्सर फर्श पर खेलते हैं

खिलौनों या चीजों को उठाकर मुंह में डाल लेते हैं

ऐसे में जूतों के जरिए आए बैक्टीरिया और वायरस बच्चों के शरीर में आसानी से प्रवेश कर जाते हैं, जिससे उन्हें डायरिया, इंफेक्शन, एलर्जी और सांस से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं।

घर में जूते पहनने से कौन-सी बीमारियां हो सकती हैं?

डॉक्टरों के अनुसार, यह आदत इन समस्याओं को जन्म दे सकती है।

बैक्टीरियल और वायरल इंफेक्शन

स्किन इंफेक्शन और फंगल एलर्जी

टॉक्सिक केमिकल्स का असर

कमजोर इम्यून सिस्टम

पेट से जुड़ी समस्याएं

एलर्जी और छींक-खांसी

अस्थमा और सांस की दिक्कत।

इस आदत से बचने के आसान उपाय

अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो इन उपायों को जरूर अपनाएं।

घर के बाहर ही जूते-चप्पल उतारने का नियम बनाएं

दरवाजे के पास जूतों का स्टैंड रखें

बच्चों को फर्श पर खेलने से पहले सफाई जरूर करें।

एआई की पैठ के मामले में अव्वल देश बना भारत, यूपी एआई एंड हेल्थ इनोवेशन कॉन्फ्रेंस में बोले मंत्री जितिन प्रसाद

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग तथा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को दावा किया कि देश में प्रौद्योगिकी और एआई का बहुत बड़ा तंत्र तेजी से विकसित किया जा रहा है और भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की पैठ के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। प्रसाद ने यहां उत्तर प्रदेश एआई और स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश का गंतव्य तो बन ही गया है, साथ ही अब यह टेक डेस्टिनेशन और देश का ग्रोथ इंजन भी बनेगा। उन्होंने कहा कि जहां औद्योगिकरण तो हुआ ही है लेकिन अब यह राज्य डिजिटाइजेशन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक देश का सवाल है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है लेकिन अध्ययन बताते हैं कि एआई की पैठ के मामले में भारत नंबर एक पर पहुंच चुका है। हमारे देश में टेक्नोलॉजी और एआई का बहुत बड़ा तंत्र तेजी से बन रहा है। यह कोई मामूली चीज नहीं है। प्रसाद ने विभिन्न चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का जिक्र किया और कहा, जनता का साथ मिल रहा है तभी हम दूरगामी नीतियों के साथ काम कर रहे हैं।

बिग बैश में पाकिस्तान की किरकिरी! धीमी बैटिंग कर रहे रिजवान को मेलबर्न ने किया रिटायर्ड आउट

सिडनी (एजेंसी)। पाकिस्तान को सोमवार को उस वक्त किरकिरी का सामना

करना पड़ा, जब ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग में पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान को उनकी ही टीम ने रिटायर्ड आउट होने को कह दिया। यह घटना बिग बैश लीग के सिडनी थंडर और मेलबर्न रेनेगेड्स के बीच मुकाबले में घटी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न टीम के लिए रिजवान जब मैदान पर उतरे तो उन्हें धीमी बल्लेबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न टीम ने एक वक्त 9.1 ओवर में दो विकेट गंवाकर 83 रन बना लिए थे। तभी रिजवान बल्लेबाजी के लिए उतरे। हालांकि, उनके उतरने के बाद सात रन बनाने में मेलबर्न ने दो और विकेट गंवा दिए। इसके बाद रिजवान ने हसन खान के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 गेंद में 64 रन की साझेदारी निभाई। 18 ओवर के बाद मेलबर्न का स्कोर चार विकेट पर 154 रन था। रिजवान तब 23 गेंद में 26 रन और हसन खान 23 गेंद में 36 रन बनाकर खेल रहे थे। 18वें और 19वें ओवर के बीच ब्रेक में मेलबर्न के कप्तान विल सदरलैंड ने रिजवान को पवेलियन लौटने का इशारा किया। इसके बाद रिजवान को रिटायर्ड आउट होकर वापस लौटना पड़ा। हालांकि, सदरलैंड भी नहीं चले और एक रन बनाकर रन आउट हो गए। हसन खान ने 31 गेंदों में एक चौका और चार छक्के की मदद से 46 रन की पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 25 गेंद में 29 रन और जोश ब्राउन ने 25 गेंद में 35 रन बनाए। इसकी बदौलत मेलबर्न रेनेगेड्स ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 170 रन का स्कोर खड़ा किया। आइए जानते हैं कि रिटायर्ड आउट क्या होता है और किन परिस्थितियों में बल्लेबाज को ऐसा करने की इजाजत दी जाती है... रिटायर्ड आउट और रिटायर्ड हर्ट में काफी अंतर है। रिटायर्ड आउट में बल्लेबाज वापस नहीं आ सकता, जबकि रिटायर्ड हर्ट में बल्लेबाज बाद में बल्लेबाजी के लिए वापस मैदान पर आ सकता है। बल्लेबाज को रिटायर्ड आउट तब माना जाता है, जब वह अंपायर और विपक्षी टीम के कप्तान को बिना बताए और बिना उनके रजामंदी के पवेलियन लौट जाता है। आईसीसी के नियम 25.4 में बल्लेबाज को रिटायर होने को लेकर नियम बताए गए हैं। इसके नियम 25.4.1 के मुताबिक, कोई बल्लेबाज गेंद नहीं फेंके जाने की स्थिति में कभी भी रिटायर हो सकता है। खेल शुरू होने से पहले हालांकि, अंपायर को बल्लेबाज के वापस जाने का कारण बताना होता है। इसके बाद ही अगली गेंद फेंकी जाती है। नियम 25.4.2 के मुताबिक, अगर बल्लेबाज किसी बीमारी, चोट और कोई ऐसी गंभीर परिस्थिति, जिसको दरकिनार नहीं किया जा सकता और वह खेलने में असमर्थ में होता है और पवेलियन लौट जाता है, उस स्थिति में बल्लेबाज को रिटायर्ड नॉट आउट कहा जाता है। नियम 25.4.3 के मुताबिक, अगर बल्लेबाज 25.4.2 में बताए गए कारण के अलावा किसी कारण से वापस पवेलियन लौट जाता है, उस स्थिति में सिर्फ विपक्षी कप्तान की अनुमति पर ही वह बैटर बल्लेबाजी के लिए वापस क्रीज पर आ सकता है। अगर विपक्षी टीम का कप्तान अनुमति नहीं देता है और उसकी बल्लेबाजी जारी नहीं रह सकती, तब उस बल्लेबाज को रिटायर्ड आउट माना जाता है।

भारत को जिताने के बाद कोहली ने फैंस का दिल जीता; मैदान कर्मियों के साथ खिंचवाई तस्वीर

वडोदरा (एजेंसी)। विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रन बनाकर 28,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए और भारत को जीत दिलाई। मैच के बाद उन्होंने ग्राउंड स्टाफ के साथ रुककर तस्वीरें खिंचवाई, जिससे एक बार फिर साबित हुआ कि उनकी महानता सिर्फ रिकॉर्ड्स में नहीं, बल्कि विनम्रता और सम्मान में भी झलकती है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वडोदरा में खेले गए पहले

वनडे में भारत को चार विकेट से जीत मिली। यह मैच कई मायनों में यादगार रहा, लेकिन सिर्फ स्कोरबोर्ड या रिकॉर्ड्स की वजह से नहीं, बल्कि एक ऐसे छोटे पर बेहद दिल छू लेने वाले पल की वजह से, जिसने दर्शाया कि विराट कोहली सिर्फ महान बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी उतने ही विनम्र हैं। मैच में बना बड़ा रिकॉर्ड 37 वर्षीय विराट कोहली ने इस मुकाबले में 93 रन की शानदार पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 28,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए, और इस ऑल-टाइम लिस्ट में अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर उनसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। शतक से महज सात रन दूर रहकर आउट होना थोड़ा निराशाजनक जरूर था, लेकिन उन्होंने एक बार फिर साबित किया कि लक्ष्य का पीछा करते हुए उनका कोई मुकाबला नहीं। महान पारी, फिर भी मानवता आगे मैच खत्म होने के बाद जब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम की ओर जा रहे थे, तब विराट कोहली वहीं रुक गए। उन्होंने बड़ौदा क्रिकेट अकादमी ग्राउंड स्टाफ से बातचीत की, उनके साथ मुस्कुराते हुए तस्वीरें खिंचवाई और यह सब तब जबकि स्टेडियम लगभग खाली हो चुका था। यह दृश्य कैमरे में कैद हुआ और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। कोहली पहले भी कर चुके हैं ऐसा यह पहला मौका नहीं है जब विराट ने ऐसा किया हो। इससे पहले भी वे दिल्ली में रणजी ट्रॉफी के दौरान, आईपीएल 2024 में जयपुर में, 2023 विश्व कप के दौरान कोलकाता में और 2024 में कानपुर टेस्ट के दौरान ग्राउंड स्टाफ के साथ इस तरह तस्वीरें खिंचवाते दिखे थे। हर बार उनके इस स्वभाव ने यह संदेश दिया था कि महानता सिर्फ स्कोर से नहीं, बल्कि व्यवहार से भी मापी जाती है। दबाव में कोहली फिर चमके 301 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने शुभमन गिल (56) और श्रेयस अय्यर (49) के साथ अहम साझेदारी निभाई। अंत में केएल राहुल और हर्षित राणा के तेजतर्रार कैमियो ने 49वें ओवर में भारत को जीत दिलाई।

भारत को बड़ा झटका! चोट की वजह से वॉशिंगटन सुंदर बाकी बचे 2 वनडे से बाहर; आयुष बदोनी बने रिप्लेसमेंट

वडोदरा (एजेंसी)। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में बड़ा झटका लगा है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पसली में चोट के कारण बाकी दो वनडे से बाहर हो गए हैं। वह सीरीज के बाकी बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई का अपडेट न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए एक बीसीसीआई अधिकारी ने बताया कि सुंदर को उनकी बाईं पसली के निचले हिस्से में दर्द के कारण सीरीज से बाहर किया गया है। गिल-राहुल ने क्या कहा? मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने पुष्टि की कि स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद ही उनकी रिकवरी टाइमलाइन साफ होगी। वहीं, लोकेश राहुल ने भी मैच के बाद कहा कि उन्हें मैदान पर सुंदर की स्थिति का अंदाजा नहीं था। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि वह दौड़ नहीं सकता। मुझे पता था कि पहली पारी में उसे कुछ परेशानी थी, लेकिन मुझे इसकी गंभीरता के बारे में पता नहीं था।' भारत की बढ़ती चोट की समस्याएं वॉशिंगटन सुंदर इस सीरीज में चोटिल होने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। इससे पहले ऋषभ पंत साइड स्ट्रेन की वजह से पूरी वनडे सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वहीं, तिलक वर्मा ग्रोइन इंजरी की वजह से टी20 सीरीज के पहले तीन मुकाबलों से बाहर हो चुके हैं। खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने की समस्या टीम कॉम्बिनेशन की चिंता बढ़ा रही हैं। टी20 विश्व कप को लेकर चिंता क्यों? वॉशिंगटन सुंदर स्पिन ऑलराउंडर विकल्प के रूप में टी20 विश्व कप 2026 के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। उनकी पावरप्ले गेंदबाजी, लोअर-ऑर्डर बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन विकल्प, उन्हें टीम के लिए उपयोगी बनाते हैं। हालांकि, अभी टी20 विश्व कप में समय है। लेकिन देखने वाली बात होगी कि पसली में चोट से वह कितनी जल्दी उबर पाते हैं। सुंदर इससे पहले भी कई बार चोटिल होकर टीम से बाहर हो चुके हैं।

सीरीज का पहला मुकाबला वडोदरा में खेला गया था, जहां सुंदर फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए। वहीं, बीसीसीआई ने सुंदर के रिप्लेसमेंट का एलान भी कर दिया है। पहले वनडे में सुंदर ने पांच ओवर गेंदबाजी की और 27 रन दिए, लेकिन न्यूजीलैंड की पारी के बीच वह मैदान से बाहर चले गए और वापसी नहीं कर पाए। हालांकि, बाद में उन्होंने नंबर-आठ पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद रहते हुए जीत में अहम रन जोड़े। मगर बल्लेबाजी के दौरान भी उनकी असहजता साफ दिख रही थी। वह दो रन नहीं भाग पा रहे थे। रिप्लेसमेंट बना यह खिलाड़ी राजकोट में दूसरे वनडे से पहले टीम से जुड़ जाएगा। सीरीज ओपनर में चोटिल हुए थे। सुंदर इस सीरीज में चोटिल होने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने। इससे टी20 विश्व कप को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही वनडे सीरीज में टीम इंडिया को बड़ा नुकसान हुआ है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पसली में चोट (रिब इंजरी) के चलते

पांच दिन के बाद शेयर बाजार में राहत, हरे निशान पर बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में भारी गिरावट झेलने के बाद सोमवार को ऊर्जा, बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी के चलते इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूती देखने

को मिली। हालांकि, व्यापारियों का कहना है कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी ने तेज बढ़त को सीमित कर दिया। कमजोर अमेरिकी मुद्रा और कच्चे तेल की गिरती कीमतों के कारण रुपया निचले स्तर से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2 पैसे बढ़कर 90.16 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 301.93 अंक या 0.36 प्रतिशत चढ़कर 84,878.17 पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार के दौरान, यह 715.17 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 82,861.07 पर आ गया था, जिससे 83,000 का स्तर टूट गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 106.95 अंक या 0.42 प्रतिशत बढ़कर 25,790.25 पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में बेंचमार्क 209.9 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 25,473.40 पर आ गया था। पिछले पांच कारोबारी दिनों में, बीएसई बेंचमार्क 2,185.77 अंक या 2.54 प्रतिशत गिर गया, और निफ्टी 645.25 अंक या 2.45 प्रतिशत लुढ़क गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। दूसरी ओर, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो और एचडीएफसी बैंक पिछड़ गए। अमेरिकी राजदूत ने भारत-अमेरिका रिश्तों के लेकर सकारात्मक टिप्पणी की तनावपूर्ण संबंधों को फिर से सुधारने के इरादे का संकेत देते हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत में नए राजदूत ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के लिए भारत जितना आवश्यक कोई देश नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों पक्ष एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं। अपने आगमन भाषण में, सर्जियो गोर ने महत्वपूर्ण खनिजों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर 'पैक्स सिलिका' के नाम से जाने जाने वाले अमेरिकी नेतृत्व वाले रणनीतिक गठबंधन के लिए नई दिल्ली को निमंत्रण देने की भी घोषणा की। काम शुरू करने के कुछ ही घंटों बाद की गई उनकी टिप्पणियों को ट्रंप प्रशासन की ओर से एक स्वागत योग्य कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल के महीनों में टैरिफ और एच1बी वीजा को लेकर भारत पर दबाव बढ़ाया है। अमेरिकी राजदूत के बयानों से निवेशकों की धारणा में हुआ सुधार जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी राजदूत द्वारा व्यापार समझौतों में दिए गए अनुकूल बयानों के बाद निवेशकों की भावना में सुधार होने से भारतीय बाजार दिन के निचले स्तर से उबर गया। उन्होंने कहा कि इस सकारात्मक रुझान ने समग्र बाजार भावना को बढ़ावा दिया। उपभोक्ता और बैंकिंग शेयरों में भी मूल्य खरीद देखी गई, क्योंकि निवेशकों ने हालिया गिरावट के बाद अवसरों की तलाश की, जिसे तीसरी तिमाही के मजबूत नतीजों और बढ़ती मांग की उम्मीदों का समर्थन मिला।

मैनचेस्टर यूनाइटेड एफए कप से बाहर; बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर स्पैनिश सुपर कप जीता

लंदन (एजेंसी)। मुख्य कोच रुबेन अमोरिम को बर्खास्त करने बाद भी मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्रदर्शन में किसी तरह का सुधार नहीं हुआ और उसकी टीम ब्राइटन से 2-1 से हारकर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर हो गई। प्रीमियर लीग की दिग्गज टीम और 13 बार की एफए कप विजेता मैनचेस्टर यूनाइटेड

ने अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के कारण पिछले सप्ताह ही अपने मुख्य कोच रुबेन को पद से हटा दिया था। ब्राजन गुडा ने 12वें मिनट में ब्राइटन को बढ़त दिलाई। इसके बाद यूनाइटेड के पूर्व स्ट्राइकर डैनी वेलबेक ने 64वें मिनट में ब्राइटन की तरफ से दूसरा गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। यूनाइटेड की तरफ से बेंजामिन सेस्को ने अंतिम समय में गोल किया जिससे हार का अंतर ही कम हो पाया। इस बीच आर्सेनल ने गैब्रियल मार्टिनेली की हैट्रिक की मदद से पोर्ट्समाउथ के खिलाफ 4-1 की जीत दर्ज करके अगले दौर में जगह बनाई। लीड्स ने डर्बी को 3-1 से हराया जबकि तीसरी श्रेणी की टीम मैन्सफील्ड ने प्रीमियर लीग की प्रमुख टीम शेफील्ड यूनाइटेड को 4-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। एकअन्य मैच में नॉर्विच ने वॉल्सॉल को 5-1 से हराया। बार्सिलोना ने स्पैनिश सुपर कप जीता राफिन्हा के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने सऊदी अरब में खेले गए स्पैनिश सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया। राफिन्हा का 73वें मिनट में किया गया विजयी गोल संयोगवश आया, जब शॉट मारते समय वह फिसल गए और गेंद मैड्रिड के डिफेंडर राउल असेंसियो से टकराकर गोलकीपर थिबाउट कर्टोइस को चकमा दे गई। फाइनल के पहले हाफ का अंत बेहद रोमांचक रहा, जब ब्रेक से पहले स्टॉपेज टाइम में तीन गोल हुए, जिनमें से दो रियल मैड्रिड ने और एक बार्सिलोना ने किया। पिछले साल के फाइनल में भी बार्सिलोना ने रियाल मैड्रिड को 5-2 से हराया था, जिसमें राफिन्हा ने दो गोल किए थे। बार्सिलोना ने 16वां सुपर कप खिताब जीता, जो किसी भी अन्य क्लब से अधिक है। रियाल मैड्रिड 13 खिताब के साथ दूसरे स्थान पर है। घुटने की चोट के कारण मिनी-सुपर कप टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं खेल पाए काइलियन एमबाप्पे 76वें मिनट में मैदान पर उतरे, लेकिन रियाल मैड्रिड को बराबरी दिलाने में नाकाम रहे।

सोना 1.41 लाख प्रति 10 ग्राम; चांदी की कीमतों में भी बड़ा उछाल, बाजार में बने नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक पर बढ़ती अनिश्चितता के बीच सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से कीमती धातुओं में तेज खरीदारी देखने को मिली। घरेलू बाजार में सोने-चांदी के दाम घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 2,431 रुपये यानी 1.8 फीसदी उछलकर 1,41,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में सोना 3,058 रुपये चढ़ चुका है। चांदी में भी जोरदार तेजी रही। मार्च डिलीवरी वाला

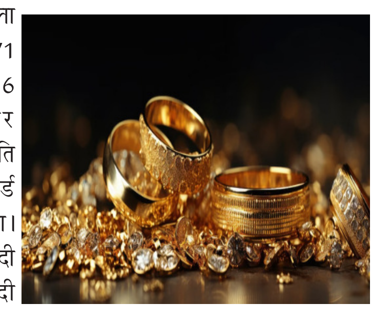

चांदी वायदा 11,271 रुपये यानी 4.46 फीसदी बढ़कर 2,63,996 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। बीते सप्ताह में चांदी करीब 7 फीसदी उछली है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी में आया तेज उछाल अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना 111.8 डॉलर यानी 2.5 फीसदी बढ़कर 4,612.7 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। मार्च कॉन्ट्रैक्ट की चांदी 4.56 डॉलर यानी 5.8 फीसदी उछलकर 83.90 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंची। न्याय विभाग ने फेड को भेजा समन अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने बताया कि न्याय विभाग ने फेड को समन भेजे हैं और उनके जून में दिए गए बयान को लेकर आपराधिक जांच की धमकी दी गई है। यह मामला फेड के दो कार्यालय भवनों के 2.5 अरब डॉलर के नवीनीकरण से जुड़ा है, जिसकी आलोचना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कर चुके हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक जोखिमों ने निवेशकों को सुरक्षित विकल्पों की ओर मोड़ा विश्लेषकों के मुताबिक फेड की स्वतंत्रता को लेकर बढ़ती चिंताओं, कमजोर डॉलर और वैश्विक राजनीतिक जोखिमों ने निवेशकों को सुरक्षित विकल्पों की ओर मोड़ा है। डॉलर इंडेक्स 99.03 के आसपास फिसलता दिखा, जिससे सोना-चांदी को और समर्थन मिला। इसके अलावा, ईरान को लेकर बढ़ते तनाव और यूक्रेन संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र की आपात बैठक जैसी घटनाओं ने भी बाजारों में अनिश्चितता बढ़ाई, जिसका सीधा फायदा कीमती धातुओं को मिला।

गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार; सेंसेक्स 455 अंक टूटा, निफ्टी 25600 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। वहीं पिछले दिन शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 अंक पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई निफ्टी 193.55 अंक गिरकर 25,683.30 अंक पर बंद हुआ था। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को

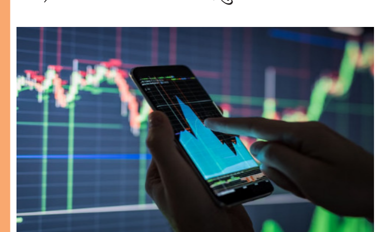

लाल निशान पर खुला। विदेशी निधियों की लगातार निकासी, भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ में और वृद्धि की आशंकाओं और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.35 अंक गिरकर 83,120.89 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.35 अंक गिरकर 25,547.95 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे गिरकर 90.23 पर आ गया। सुबह के कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 715.17 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 82,861.07 पर आ गया। वहीं, निफ्टी 209.9 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 25,473.40 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, इटरनल, पावर ग्रिड, अदानी पोर्ट्स, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थीं। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाभ कमाने वालों में शामिल थे।

वेनेजुएला में तेल निवेश पर ट्रंप का कड़ा रुख, एक्सॉनमोबिल के बयान को लेकर जताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे वेनेजुएला में तेल निवेश को लेकर एक्सॉनमोबिल को बाहर रखने के पक्ष में हो सकते हैं। यह टिप्पणी तब आई जब कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने वेनेजुएला की मौजूदा परिस्थितियों को निवेश के लिहाज से अयोग्य बताया। ट्रंप को एक्सॉनमोबिल का जवाब पसंद नहीं आया व्हाइट हाउस में शुक्रवार को तेल और गैस कंपनियों के प्रमुखों के साथ हुई बैठक के बाद ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि मुझे एक्सॉन का जवाब

पसंद नहीं आया। हमारे पास कई कंपनियां हैं जो निवेश करना चाहती हैं। ऐसे में मैं एक्सॉन को बाहर रखने की ओर झुक सकता हूं। वे जरूरत से ज्यादा चालाकी दिखा रहे हैं। यह बैठक पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के सत्ता से हटने के बाद वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों को लेकर भविष्य की रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। एक्सॉनमोबिल के सीईओ का तर्क व मांग बैठक में एक्सॉनमोबिल के सीईओ डैरन वुड्स ने कहा कि मौजूदा हालात में वेनेजुएला में निवेश संभव नहीं है। वुड्स के मुताबिक वर्तमान कानूनी और वाणिज्यिक ढांचा निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके लिए हाइड्रोकार्बन कानूनों में बदलाव, मजबूत निवेश सुरक्षा और कानूनी व्यवस्था में सुधार जरूरी है। हालांकि, वुड्स ने यह भी कहा कि अगर ट्रंप प्रशासन और वेनेजुएला सरकार मिलकर जरूरी सुधार लागू करते हैं तो हालात बदले जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी करीब 20 वर्षों से वेनेजुएला में सक्रिय नहीं रही है, लेकिन फिलहाल में एक तकनीकी टीम भेजकर उद्योग और परिसंपत्तियों की स्थिति का आकलन किया जा सकता है बशर्ते सरकार की अनुमति और सुरक्षा गारंटी मिले।

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती झंडेवाला पार्क अमीनाबाद में मनाई गयी

लखनऊ (संवाददाता)। प्रतिवर्ष की भांति स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिवस पर झंडेवाला पार्क अमीनाबाद में गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कार्यक्रम के आयोजक पूर्व नेता विधान परिषद विंध्यवासिनी कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने प्राचीनतम सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर रखा, आपने कहा कि हम स्वामी विवेकानंद जी जैसे विराट व्यक्तित्व को क्यों याद करते है क्योकिं स्वामी विवेकानंद जी से हम सभी को भारत की सनातन संस्कृति को स्वयं के आचरण में उतारने एवं इस हेतु समाज में कार्य करने की शक्ति एवं संबल मिलता है। उन्होंने बताया की स्वामी विवेकानंद जी ने दरिद्र की सेवा ही नारायण की सेवा है कहा है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश श्रम एवं निर्माण निगम की उपाध्यक्ष जयति श्रीवास्तव, अधिवक्ता देवेश कुमार, पार्षद राजीव बाजपेयी, अधिवक्ता किशन कुमार लोधी, शैलू सोनकर, विनीत यादव, अधिवक्ता विश्वेश कुमार, अधिवक्ता नितीश श्रीवास्तव, अधिवक्ता विकर्ष श्रीवास्तव, सोनू बाजपेयी, अधिवक्ता अजय श्रीवास्तव, संतोष गुप्ता, आशीष सोनकर, गौरव बाजपेयी, मनोज श्रीवास्तव, गौरव अवस्थी, शैलेन्द्र श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोगो ने स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

यह सच नहीं लगता... रानी मुखर्जी ने करियर जर्नी को किया याद

बॉलीवुड में पूरे किए 30 साल

सोमवार को रानी मुखर्जी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें बॉलीवुड में अपने तीस साल पूरे होने की बात का जिक्र किया। साथ ही अपनी करियर जर्नी को याद किया। रानी मुखर्जी के बॉलीवुड करियर को तीस साल हो चुके हैं। उन्होंने इस सफर के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे और एक एक्ट्रेस के तौर पर खुद को निखारा। इस दौरान उन्होंने जो कुछ अनुभव किया, उसका जिक्र अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया है। यशराज फिल्म्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर रानी मुखर्जी की यह पोस्ट शेयर की गई है। जानिए, अपनी करियर जर्नी को लेकर रानी मुखर्जी ने क्या कहा? रानी मुखर्जी ने बताया कैसे सिनेमा की दुनिया में आईं? रानी मुखर्जी ने अपनी पोस्ट में लिखा, तीस साल, जब मैं यह बात जोर से कहती हूं तो यह सच नहीं लगता है। लेकिन यह बात मुझे बताती है कि अगर आप दिल से कोई ऐसा काम करते हैं जिससे आप प्यार करते हैं, तो समय पंख लगाकर उड़ जाता है। आप और ज्यादा काम करना चाहते हैं। तीस साल पहले मैंने एक्ट्रेस बनने के किसी बड़े प्लान के बिना एक फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक यंग लड़की लगभग इत्तेफाक से सिनेमा की दुनिया में आई। लेकिन मुझे इस काम से प्यार हो गया। अपनी पोस्ट में रानी मुखर्जी ने पहली फिल्म राजा की आएगी बारात से लेकर साथिया, बंटी और बबली, हम तुम, नो वन किल्ड जेसिका और ब्लैक जैसी फिल्मों का जिक्र किया। इन फिल्मों से जुड़े अनुभव साझा किए। इनके बाद वह फिल्म मदार्नी की बात करती हैं। वह पोस्ट में लिखती हैं, फिल्म मदार्नी मेरे दिल में एक खास जगह रखती है। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में लाउड हीरोइज्म नहीं है। इस फिल्म के जरिए मैंने जाना कि ऐसी कहानियां बताना कितना जरूरी है। यह कहानियां लोगों को असहज करती हैं लेकिन एक उम्मीद भी जगाती हैं। आगे पोस्ट में उन्होंने शादी और मां बनने के बारे में बात की।

जूनियर कृष याद है? एक्टिंग छोड़ बने नामी सर्जन, ऋतिक भी रह गए हैरान

2006 में आई सुपरहीरो फिल्म कृष में ऋतिक रोशन के बचपन का किरदार निभाने वाला चाइल्ड आर्टिस्ट मिकी धमेजानी अब फिल्मों से दूर अपनी नई पहचान बना चुके हैं। मिकी ने एक्टिंग छोड़कर डॉक्टर बनने का रास्ता चुना और अब वे नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हैं। मिकी धमेजानी ने अपने करियर की शुरूआत फिल्मों से की थी। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान 2006 में आई फिल्म कृष में जूनियर कृष का किरदार निभाने के बाद मिली। उस समय उनके अभिनय और लुक ने दर्शकों

का दिल जीत लिया था। इसके बाद मिकी ने कई फिल्मों में काम किया, जैसे ईट प्रे लव और शाहिद कपूर की डेब्यू फिल्म इश्क विश्क। हालांकि, मिकी ने बाद में एक्टिंग छोड़ दी और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नवी मुंबई के एमजीएम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज से डठठै पूरी की और फिर मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से आगे की पढ़ाई की। अब मिकी ने नेत्र विशेषज्ञ के रूप में अपने पेशे में नाम कमाया है। हाल ही में मिकी ने ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दोनों नजर आए। इस वीडियो में ऋतिक ने मिकी से कहा मुझे नहीं पता कि मैं तुमसे कैसे रिलेट करूं। तुम अब डॉक्टर बन गए हो। यह बहुत ही शानदार है। मैं जल्दी ही तुम्हारे पास आ रहा हूं। फैंस ने भी इस वीडियो पर जमकर रिएक्शन दिया। कई लोग हैरान रह गए कि वही जूनियर कृष अब डॉक्टर बन चुके हैं, जबकि कुछ ने दोनों की बॉन्डिंग की तारीफ की। अब मिकी लोगों की आंखों की जांच और इलाज करते हैं। उनके नए पेशे ने उन्हें बहुत सम्मान दिलाया है। मिकी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनके एक्टिंग के दिनों से मिली सीख ने उन्हें डॉक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। जूनियर कृष मिकी धमेजानी अब एक्टिंग छोड़कर सफल डॉक्टर बन चुके हैं और अपने मरीजों की जिंदगी में खुशियां लाने का काम कर रहे हैं।

द ताज स्टोरी: शोर नहीं, कंटेंट का कमाल- 6 हफ्तों की बॉक्स ऑफिस जीत

फिल्म द ताज स्टोरी हाल के समय की सबसे चर्चित और व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। इस फिल्म ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया, बल्कि भारत और विदेशों में दर्शकों के दिल भी जीत लिए। मात्र 11 करोड़ के सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने 30 करोड़ से अधिक का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया और लगातार छह मजबूत सप्ताहों तक सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर स्वयं को एक बड़ी हिट के रूप में स्थापित किया। द ताज स्टोरी को खास बनाता है इसका साहसी और प्रभावशाली कथानक, जो ताजमहल से जुड़े वास्तविक और अब तक अनकहे सच को सामने लाता है। यह विषय पीढ़ियों से लोगों को आकर्षित करता रहा है, लेकिन इसे इतनी गहराई, संवेदनशीलता और सिनेमाई ईमानदारी के साथ बहुत कम फिल्मों ने प्रस्तुत किया है। दर्शकों ने इस नए दृष्टिकोण को खुले दिल से स्वीकार किया और फिल्म की सच्चाई, साहस और प्रामाणिकता की जमकर सराहना की। बाहुबली द एपिक, दे दे प्यार दे 2, हक और मस्ती जैसी बड़ी और चर्चित फिल्मों के साथ और बाद में रिलीज होने के बावजूद, द ताज स्टोरी ने न केवल अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी, बल्कि छह हफ्तों तक अपनी दमदार थिएटर रन जारी रखते हुए सभी अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। फिल्म की निरंतर बॉक्स ऑफिस सफलता यह साबित करती है कि सशक्त कंटेंट और ईमानदार कहानी बड़े बजट और भव्यता पर भारी पड़ सकती है। फिल्म की एक बड़ी खासियत है परेश रावल का सशक्त और प्रभावशाली अभिनय, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने उनके हालिया करियर के सबसे दमदार प्रदर्शनों में से एक बताया है। उनके अभिनय ने कहानी को गहराई और भावनात्मक वजन दिया, जिससे ताजमहल की सच्चाई और अधिक प्रभावशाली ढंग से दर्शकों तक पहुँची। आलोचनात्मक रूप से सराही गई और व्यावसायिक रूप से सफल, द ताज स्टोरी को एक पूरी तरह से योग्य सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इसकी पटकथा, शानदार निर्देशन, अभिनय और विषय की प्रासंगिकता की हर स्तर पर प्रशंसा हुई है। छह सप्ताह तक दर्शकों की रुचि बनाए रखना फिल्म की मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ लोकप्रियता को और भी मजबूत करता है। इस फिल्म का निर्माण सीए सुरेश झा ने किया है, जिनकी दूरदर्शिता ने इस सशक्त कहानी को बड़े पर्दे तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिल्म का लेखन और निर्देशन तुषार अमरीश गोयल ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया है, जिनकी स्पष्ट सोच और निडर प्रस्तुति को व्यापक सराहना मिली है। वहीं क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेशाम ने अपनी रचनात्मक दृष्टि से फिल्म को भावनात्मक और सिनेमाई रूप से मजबूती प्रदान की है। छह हफ्तों की सफल बॉक्स ऑफिस यात्रा, शानदार कलेक्शन और लंबे समय तक रहने वाले सांस्कृतिक प्रभाव के साथ, द ताज स्टोरी आज एक ऐसी सार्थक फिल्म के रूप में खड़ी है जो सच कहने का साहस रखती है-और उसी साहस के लिए दर्शकों द्वारा भरपूर सम्मान और समर्थन प्राप्त करती है।

प्राइम वीडियो की नई तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म चीकाटीलो का रोमांचक ट्रेलर रिलीज

भारत के सबसे लोकप्रिय मनोरंजन प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने आज एक इमोशनल तेलुगु क्राइम सस्पेंस ड्रामा, चीकाटीलो का एक जबरदस्त ट्रेलर लॉन्च किया। तेजी से विकसित हो रहे हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित इस कहानी में संध्या की यात्रा दिखाई गई है, जो एक ट्रू-क्राइम पॉडकास्टर है। शोभिता धुलिपाला द्वारा निभाया गया यह किरदार अपने पॉडकास्ट के जरिए बीस साल से निष्क्रिय पड़े एक सीरियल किलर के रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश करती है। फिल्म का निर्देशन शरण कोपिशेट्टी ने किया है और इसका निर्माण डी. सुरेश बाबू ने सुरेश प्रोडक्शंस प्रा. लि. के बैनर तले किया है। इसकी दमदार कहानी चंद्र पेम्मराजू और शरण कोपिशेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोभिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोंडा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, वहीं चौतन्य विश्वलक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। तेलुगु फिल्म चीकाटीलो का प्रीमियर 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से किया जाएगा। चीकाटीलो का ट्रेलर हैदराबाद की अंधेरी दुनिया की एक रोमांचक झलक पेश करता है, जहां संध्याकृएक क्रिमिनोलॉजी ग्रेजुएट और ट्रू-क्राइम पॉडकास्टर हैं जो खुद को बिल्ली-और-चूहे के खतरनाक खेल में फंसा हुआ पाती है। एक चौंकाने वाली हत्या बीते अपराधों की कड़ी उजागर कर देती है, जिससे सच और इंसाफ की तलाश और भी तनावपूर्ण हो जाती है। अपने पॉडकास्ट को एक इन्वेस्टिगेशन टूल रूप में इस्तेमाल करते हुए संध्या एक निर्दयी हत्यारे को चुनौती देती है और उसे सामने लाने की कोशिश करती है। जैसे-जैसे कहानी का तनाव बढ़ता है, घटनाक्रम एक सिहरन पैदा कर देने वाले खुलासे की ओर बढ़ता है। लेकिन सवाल यही है क्या सच सामने आएगा, या फिर संध्या खुद उस हत्यारे का अगला शिकार बन जाएगी? सस्पेंस और भावनाओं से भरपूर यह ट्रेलर एक ऐसी दिल-दहला देने वाली खोज की नींव रखता है, जो 23 जनवरी से, सिर्फ प्राइम वीडियो पर शुरू होगी। चीकाटीलो के निर्देशक और सह-लेखक शरण कोपिशेट्टी ने साझा किया, ह्लचीकाटीलो का निर्देशन मेरे लिए एक बेहद संतोषजनक यात्रा रही हैं एक ऐसा अनुभव जिसने मुझे एक साधारण-सी दिखने वाली अपराध कहानी के पीछे छिपे इंसानी और अंधेरे पहलुओं को समझने और दिखाने का मौका दिया। अपने मूल में यह फिल्म सिर्फ एक क्राइम-सस्पेंस नहीं है, बल्कि यह हिम्मत, खामोशी और ताकत के खिलाफ संघर्ष, और इंसाफ को सामने लाने के साहस की कहानी है। अब जब ट्रेलर रिलीज हो चुका है, तो दर्शक उस तनाव और रहस्य से भरी दुनिया की झलक देख सकते हैं, जिसे हमने बनाया है। प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी करना हमारे लिए बेहद खास और सार्थक रहा है।

आशीष चंचलानी की एकाकी को मिला खास सम्मान, रॉकिंग स्टार यश ने दी बधाई

आशीष चंचलानी देश के सबसे बड़े डिजिटल एंटरटेनर्स में से एक हैं। एक सफल परफॉर्मर के रूप में अपनी पहचान बनाने के बाद, आशीष ने अब अपने करियर में एक नया क्रिएटिव कदम उठाया है। उन्होंने सीरीज एकाकी के जरिए डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू किया है। हॉरर-कॉमेडी थ्रिलर एकाकी ने इंटरनेट पर जबरदस्त चर्चा बटोरी है और दर्शकों के साथ-साथ सेलेब्रिटीज

और फिल्ममेकर्स से भी खूब सराहना मिल रही है।एकाकी की सफलता के बीच आशीष को हाल ही में एक और खास बधाई संदेश मिला। इस बार उन्हें शुभकामनाएं दीं रॉकिंग स्टार यश ने। आशीष ने एक्स (पहले ट्विटर) पर यश को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनकी आने वाली फिल्म के लिए उत्साह जताया। इसके जवाब में यश ने एकाकी की कामयाबी पर आशीष को बधाई दी, जो उनके सफर का एक यादगार पल बन गया। आशीष ने यश को लिखा, ह्लएक लीजेंड को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं /जीमछंउमेप्ले, बॉस३ बहुत एक्साइटेड हूँ घ्छ (और भी ज्यादा मस्कुल्ड)ह्लमशहूर सेलेब्रिटीज के सरप्राइज कैमियो, दिलचस्प कहानी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ यह शो हर नए एपिसोड के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ा रहा है। एकाकी में आशीष चंचलानी ने कई जिम्मेदारियां निभाई हैं कृ वे इसके लेखक, निर्देशक, निमार्ता और लीड एक्टर भी हैं, जो उनकी बड़ी सोच और क्रिएटिव विजन को दशार्ता है। इस सीरीज में उनकी करीबी टीम भी उनके साथ जुड़ी है। कुणाल छाबरिया को-प्रोड्यूसर हैं, आकाश दोडेजा पैरेलल लीड की भूमिका में हैं, जशन सिरवानी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं और तनिष सिरवानी शो की क्रिएटिव दिशा संभाल रहे हैं। इसका स्क्रीनप्ले ग्रिशिम नवानी के साथ मिलकर लिखा गया है, जबकि रितेश साधवानी लाइन प्रोड्यूसर के तौर पर प्रोडक्शन को सुचारू रूप से संभाल रहे हैं। नई, दमदार और अलग तरह की कहानी पेश करने वाला एकाकी का पहला एपिसोड 27 नवंबर 2025 को और लेटेस्ट एपिसोड 5 जनवरी 2026 को यूट्यूब चौनल पर रिलीज हुआ है।

आमिर खान या सुनील ग्रोवर? आमिर खान प्रोडक्शंस का मजेदार वीडियो देख वीर दास भी हो गए कन्फ्यूज

कई हिट फिल्मों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के बाद, देश के बड़े प्रोडक्शन हाउस आमिर खान प्रोडक्शंस अब हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस के साथ एक और मजेदार कहानी बड़े पर्दे पर ला रहा है। यह आने वाली स्पाई-कॉमेडी फिल्म अभिनेता-कॉमेडियन वीर दास को लीड रोल में पेश करती है और खास बात यह है कि यह उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी यह जानने को बेताब हैं कि यह नया एंटरटेनर क्या धमाल मचाने वाला है। फिल्म के ट्रेलर और गानों ने जबरदस्त चर्चा बना दी है, जिससे इस बैनर की एक और हिट को लेकर उम्मीदें और

बढ़ गई हैं। रिलीज के करीब आते ही आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें आमिर खान और वीर दास नजर आए। इस वीडियो में सरप्राइज एंट्री किसी और की नहीं बल्कि अभिनेता-कॉमेडियन सुनील ग्रोवर की है। सुनील ग्रोवर अपनी मजेदार मिमिक्री से सबको हँसने पर मजबूर कर देते हैं, जहां वह आमिर खान की नकल करते हुए न सिर्फ उनके हाव-भाव बल्कि उनके आउटफिट तक को बिल्कुल सही तरीके से कॉपी करते हैं। उनकी परफेक्ट नकल की वजह से वीर दास और आमिर खान के साथ उनकी बातचीत ठहाकों से भर जाती है। यह वीडियो बेहद मजेदार है और फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा देता है। आमिर खान प्रोडक्शंस ने लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी असरदार और अलग सोच वाली फिल्मों के साथ हमेशा नए स्टैंडर्ड सेट किए हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए यह बैनर हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस के लिए एक बार फिर मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन और अभिनेता वीर दास के साथ जुड़ रहा है। अपनी दुनियाभर में पसंद की जाने वाली कॉमेडी स्पेशल्स और गो गोआ गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी यादगार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले वीर दास की यह आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरी फिल्म है, जिससे यह प्रोजेक्ट बैनर की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक बन गया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं और यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

विवेक में आनंद तक पहुंचना ही स्वामी विवेकानंद का सबसे बड़ा संदेश,अखिलेश ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद का विवेकानंद नाम ही अपने आप में कालजयी संदेश है। उन्होंने कहा कि विवेक में आनंद की अवस्था तक पहुँचना ही स्वामी विवेकानंद के जीवन-दर्शन का सार है और यही मनुष्य को आंतरिक स्वतंत्रता की ओर ले जाता है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि विवेक केवल बाहरी ज्ञान का विषय नहीं, बल्कि अंतःकरण में जागृत होने वाली चेतना है। यह तभी संभव है जब व्यक्ति किसी और के विचारों का मानसिक गुलाम न बने और अपने विवेक से सत्य-असत्य का निर्णय करे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश लोगों को स्वयं सोचने और समझने की प्रेरणा देता है, ताकि समाज बाहरी दिखावे, छद्म गतिविधियों और शब्दों के मायाजाल के पीछे छिपे ढोंग, पाखंड, स्वार्थ और महाझूठ को पहचान सके। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद की मानवता के प्रति सहृदयता और पूरे विश्व को भाईचारे का संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

एक पत्रकार से डरा चीन, लगा दिया देशद्रोह का आरोप

सजा तय करने के लिए कोर्ट में बहस

हांगकांग (एजेंसी)। हांगकांग की कोर्ट में पत्रकार जिमी लाई और उनके सह-आरोपियों पर सजा तय करने के लिए बहस हुई। वह कभी मीडिया टाइकून और लोकतंत्र का समर्थन करने के लिए जाने जाते थे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी पाए जाने पर उन्हें उम्रकैद हो सकती है। 78 साल के लाई एप्पल डेली अखबार के संस्थापक थे। यह कंपनी अब बंद हो चुकी है। वह चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक हैं। उन्हें 2020 में बीजिंग द्वारा लागू किए गए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बाहरी लोगों के साथ देश के खिलाफ साजिश रचने और लेख प्रकाशित करने का दोषी पाया गया है। अमेरिका और ब्रिटेन ने गिरफ्तारी की आलोचना की उनका मामला बीजिंग के राजनयिक संबंधों पर भी काफी असर डाल सकता है। इसका कारण यह है कि अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशी सरकारों ने उनकी गिरफ्तारी की आलोचना की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि लाई को दोषी ठहराए जाने पर उन्हें बुरा लगा। लाई को कोर्ट लाए जाने से पहले दर्जनों लोग पब्लिक गैलरी में जगह पाने के लिए कोर्ट के बाहर कतार में लग गए थे। लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलकर साजिश रचने के दो मामलों में और देशद्रोह किताबें बांटने की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया। लाई ने सभी आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। सुरक्षा कानून के तहत मिलीभगत के आरोप में दोषी पाए जाने पर तीन साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है, जो अपराध की प्रकृति और उसमें उसकी भूमिका पर निर्भर करता है। सरकार द्वारा चुने गए तीन जजों ने दिसंबर में अपने फैसले में लिखा कि लाई ने ही इन साजिशों का नेतृत्व किया था। लाई के वकीलों ने ट्रायल के दौरान माना कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू होने से पहले उन्होंने विदेशी प्रतिबंधों की मांग की थी, लेकिन उन्होंने कानून का पालन करने के लिए इन मांगों को छोड़ दिया था। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आधार पर भी तर्क दिया। लाई को छोड़कर बाकि सबने जुर्म कबूल किया एप्पल डेली के छह पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक और लाई के मामले में शामिल दो कार्याकताओं ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उन्होंने यह माना था कि लाई और दूसरों के साथ मिलकर विदेशी ताकतों से प्रतिबंध लगाने, नाकेबंदी करने या दूसरी दुश्मन वाली गतिविधियों में शामिल होने का अनुरोध करने की साजिश रची थी। जुर्म कबूल करने से आमतौर पर सजा कम हो सकती है। सुरक्षा कानून के तहत, दूसरों द्वारा किए गए अपराध की शिकायत करने वालों को कम सजा दी जा सकती है। पांच साल से हिरासत में हैं लाई लाई पांच वर्षों से हिरासत में हैं और वह काफी पतले हो गए हैं। अगस्त में, उनके वकीलों ने कोर्ट को बताया कि उन्हें दिल की धड़कन की समस्या है। हांगकांग सरकार ने कहा कि शिकायक के बाद लाई के स्वास्थ की जांच की गई। उनकी मेडिकल जांच में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। फैसले के बाद, उनकी बेटी, क्लेयर ने कहा कि अगर लाई रिहा होते हैं, तो वह राजनीति के बजाय खुद को भगवान और अपने परिवार के लिए समर्पित कर देंगे।

मुंबई की पूर्व मेयर के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची शिवसेना, गलत सूचना के साथ नामांकन दाखिल करने का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर की। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार और पूर्व नगर महापौर किशोरी पेडनेकर के नगर निगम चुनाव नामांकन को चुनौती दी है। उनपर कई तथ्य छिपाने के आरोप लगया है। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव में कुछ दिन ही बचे हैं। इसी बीच

शिवसेना के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर किया। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार और पूर्व नगर महापौर किशोरी पेडनेकर के नगर निगम चुनाव नामांकन को चुनौती दी है। उनका आरोप है कि पेडनेकर ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में जानकारी छुपाई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना की प्रवक्ता सुसी शाह ने मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ के समक्ष याचिका का जिक्र करते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की। हालांकि, अदालत ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों में केवल कुछ ही दिन बचे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद याचिका पर सुनवाई की जाएगी। पेडनेकर ने वार्ड 199 (मध्य मुंबई) से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र जमा कर दिया है। शाह ने अपने वकील कल्पेश जोशी के माध्यम से दायर याचिका में उच्च न्यायालय से रिटर्निंग ऑफिसर को पेड़नेकर के फॉर्म को अवैध, अमान्य और अनुचित घोषित करने और उसे खारिज करने का निर्देश देने की मांग की। कई एफआईआर छिपाने के लगे आरोप याचिका के अनुसार, पेडनेकर ने अपने हलफनामे में जानबूझकर कई महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया और दबाया है, जैसे कि उनके खिलाफ गंभीर अपराधों के लिए दर्ज कई एफआईआर।

ईरान के विदेश मंत्री का वार पर आरोप- प्रदर्शन में हिंसा बहाना

हस्तक्षेप की ताक में डोनाल्ड ट्रंप

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के अंदर जारी सत्ता विरोधी आंदोलन पूरी तरह से नियंत्रण में आ चुका है। ऐसा दावा ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने किया है। इसी के साथ उन्होंने देश के अंदर फैली हिंसा के लिए डोनाल्ड ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान में बीते 15 दिनों से खामेनई सत्ता के खिलाफ जनता का उग्र विरोध प्रदर्शन जारी है। सरकार विरोधी आंदोलन की आग राजधानी तेहरान से लेकर देश के सभी 31 प्रांतों तक फैल चुकी है। इस बीच अशांत ईरान को लेकर विदेश मंत्री ने बड़ा दावा किया है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि देश के अंदर स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आ चुकी है। इसी के साथ उन्होंने हिंसा के लिए इस्राइल और अमेरिका को दोषी

ठहराया है। हालांकि उन्होंने कोई सबूत पेश नहीं किया। ट्रंप पर लगाया खूनी आंदोलन भड़काने का आरोप इसी के साथ उन्होंने देश के अंदर उपजे हालात के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी घेरा। अमेरिका पर आरोप लगाते हुए सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को हिंसक और खूनी बनाया गया ताकि ट्रंप को दखल देने का बहाना मिल सके। दरअसल, ट्रंप लगातार ईरान की सरकार को आंदोलनकारियों पर कार्रवाई करने को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। मृतकों के आंकड़ों पर ईरान की चुप्पी हालांकि अराघची ने सामने आए मृतकों के आंकड़ों पर कोई बयान या सबूत नहीं दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान 500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। जिनमें ज्यादातर प्रदर्शनकारी थे। तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बात करते हुए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तीखे शब्दों में इस बात पर जोर दिया कि 'स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आ गई है'। कतर द्वारा वित्त पोषित अल जजीरा सैटेलाइट न्यूज नेटवर्क पर प्रसारित बयान में अराघची ने कहा, 'इसीलिए प्रदर्शन हिंसक और खूनी हो गए ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके।' बता दें कि देश के अंदर इंटरनेट बंद होने के बावजूद अल जजीरा को देश के अंदर से लाइव रिपोर्टिंग करने की अनुमति दी गई है। ईरान में अब तक 544 की मौत इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि अमेरिका की धमकी के बाद ईरान वाशिंगटन के साथ बातचीत करना चाहता है। यह कदम ऐसे समय आया है, जब देशव्यापी प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 544 हो गई है। बता दें कि मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार विरोध प्रदर्शनों के दौरान 544 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और दर्जनों अन्य मामलों की समीक्षा जारी है। गिरफ्तारी के बाद 10,681 से अधिक व्यक्तियों को जेलों में भेज दिया गया है। देश भर में 186 शहरों में, सभी 31 प्रांतों में 585 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन जारी है। बता दें कि ये विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को बिगड़ती आर्थिक स्थिति के विरोध में शुरू हुए थे और तब से सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों में तब्दील हो गए।

नेपाल में चुनाव से पहले फिर राजा की वापसी की मांग क्यों? चुनाव से पहले सड़कों पर उतरे राजशाही समर्थक

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में चुनाव से पहले राजशाही समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं। काठमांडू में निकली रैली में राजा ज्ञानेंद्र की वापसी की मांग उठी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था देश को स्थिरता नहीं दे पा रही है। आइए जानते हैं नेपाल पर इसका क्या असर होगा। नेपाल में आम चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्म हो गया है। राजधानी काठमांडो में रविवार को राजशाही समर्थकों ने रैली निकालकर राजा की बहाली की

मांग की। यह रैली जेन-जी आंदोलन के बाद अपदस्थ राजा ज्ञानेंद्र विक्रम शाही के समर्थकों की पहली बड़ी सार्वजनिक मौजूदगी मानी जा रही है। मार्च में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले इस प्रदर्शन ने नई बहस छेड़ दी है। राजशाही समर्थकों का कहना है कि जेन-जी आंदोलन और उसके बाद बने हालात ने देश को अस्थिर कर दिया है। सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद अंतरिम सरकार बनी और अब मार्च में चुनाव प्रस्तावित हैं। इसी बीच राजशाही समर्थक सड़कों पर उतरे और दावा किया कि मौजूदा व्यवस्था देश को स्थिरता नहीं दे पा रही है। प्रदर्शन में क्या नारे लगे? रैली में शामिल लोग हम अपने राजा से प्यार करते हैं और राजा को वापस लाओ जैसे नारे लगाते दिखे। प्रदर्शनकारी 18वीं सदी में शाह वंश की नींव रखने वाले पृथ्वी नारायण शाह की मूर्ति के आसपास एकत्र हुए। रविवार को पृथ्वी नारायण शाह की जयंती भी थी, जिसे रैली के लिए प्रतीकात्मक दिन माना गया।

'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करे ईरान सरकार'; यूएन महासचिव गुटेरेस की सख्त अपील

जिनेवा (एजेंसी)। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सरकार से संयम बरतने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करने की अपील की। ईरान में लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरानी सरकार से सख्त लेकिन संवेदनशील अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार को हालात संभालते समय अधिकतम संयम बरतना चाहिए और जनता के अभिव्यक्ति, संगठन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों का पूरी तरह सम्मान करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र

महासचिव की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब बीते 15 दिनों में ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 420 लोगों की मौत की खबरें सामने आई हैं। इनमें आठ मासूम बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी मानवाधिकार कार्यकर्ता इन ईरान (एचआरए) ने दी है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी रिपोर्ट किया है। अनावश्यक बल प्रयोग से बचें- गुटेरेस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने बयान में गुटेरेस ने कहा कि वे ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और अत्यधिक बल प्रयोग की खबरों से स्तब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अनावश्यक या असमानुपातिक बल का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि ईरान में सूचना तक पहुंच बहाल की जाए, खासकर संचार सेवाओं को फिर से शुरू किया जाए ताकि लोग सच्चाई तक पहुंच सकें।

'मैंने भारत-पाक संघर्ष रोका...'; नोबेल नहीं मिलने पर ट्रंप का छलका दर्द; ओबामा पर भी साधा निशाना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोका और कुल आठ युद्ध समाप्त किए। ट्रंप ने कहा कि इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को 2009 में यह पुरस्कार मिला था। ट्रंप ने कहा मैंने आठ युद्ध खत्म किए। अगर आप उन युद्धों को देखें, ये आसान नहीं थे। भारत और पाकिस्तान आपस में भिड़ने वाले थे। लेकिन हमने आठ युद्धों को रोक दिया, कुछ युद्ध 30 साल से भी लंबे समय तक चल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोई और आठ युद्ध

समाप्त नहीं कर पाया। ट्रंप ने ओबामा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पुरस्कार मिला, जबकि वे यह भी नहीं जान पाए कि क्यों मिला। कई बार कर चुके है संघर्ष रोकने का दावा ट्रंप का यह दावा पिछले कुछ महीनों में लगातार दोहराया जा रहा है। उन्होंने मई 2025 में सोशल मीडिया पर कहा था कि भारत और पाकिस्तान ने अमेरिकी मध्य स्थता के बाद तत्काल युद्धविराम स्वीकार किया। हालांकि, भारत ने हमेशा किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में तेल और गैस उद्योग के नेताओं से मिलने के दौरान कहा चाहे लोग मुझे पसंद करें या न करें, मैंने आठ बड़े युद्धों को समाप्त किया, कुछ युद्ध 36, 32, 31, 28 और 25 वर्षों से चल रहे थे। भारत और पाकिस्तान के बीच भी युद्ध शुरू ही होने वाला था, आठ विमानों को मार गिराया गया और मैंने इसे बिना परमाणु हथियारों के जल्दी रोक दिया। ट्रंप ने यह भी बताया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा कि ट्रंप ने युद्ध रोककर करोड़ों जिंदगियों को बचाया। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा भारत और पाकिस्तान, दोनों परमाणु संपन्न देश, बड़े संघर्ष के लिए तैयार थे। आठ विमान गिराए गए और मैंने इसे रोक दिया। हर युद्ध रोकने पर नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। जानिए बिन्दुवार भारत-पाकिस्तान संघर्ष की कहानी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों के हमले (22 अप्रैल 2025) में 26 लोगों की मौत हुई। जिसके जवाब में भारत ने 7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। लगातार चार दिनों तक भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई और जमीनी संघर्ष से तनाव बढ़ा। इसके बाद 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क कर संघर्षविराम का अनुरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों की सहमति बनी। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 मई 2025 को घोषणा की कि उन्होंने दोनों देशों के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम सुनिश्चित किया। भारत ने इस दावे को हमेशा नकारा और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया। जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका और चीन की भूमिका की सराहना की।

लॉस एंजेलिस में ईरान समर्थित रैली में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, भीड़ ने चालक को पीटा; वीडियो आया सामने

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में ईरान के समर्थन में रैली निकाल रहे प्रदर्शनकारियों की भीड़ में एक ट्रक तेज रफ्तार में घुस गया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रक ड्राइवर की

जमकर पिटाई कर दी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में ईरान के समर्थन में हो रहे प्रदर्शन में उस वक्त अचानक अफरा-तफरी मच गई। जब एक तेज रफ्तार ट्रक भीड़ में घुसा गया, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुस्साएं लोगों ने बाद में ट्रक ड्राइवर की पकड़कर जमकर पिटाई कर दी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रदर्शन कर रही भीड़ को कुचलने का प्रयास दरअसल ईरान की जनता सरकार के खिलाफ पिछले 15 दिनों से आंदोलन कर रही है, जिसका असर पूरी दुनिया के साथ अमेरिका में भी देखने को मिल रहा है। इस कड़ी में लॉस एंजिल्स में ईरानी शासन के विरोध में एक मार्च निकाला जा रहा था, जिसमें शामिल हुए लोगों को एक ट्रक से कुचलने की कोशिश की गई। ट्रक के आगे से हटे लोग, बाल-बाल बचे अधिकारियों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि रविवार (11 जनवरी) दोपहर को लॉस एंजिल्स में ईरान में जारी आंदोलन के समर्थन में रैली निकाली जा रही थी। इस दौरान एक यू-हॉल ट्रक प्रदर्शनकारियों की भीड़ में दाखिल हो गया। लॉस एंजिल्स पुलिस के मुताबिक ट्रक तेज रफ्तार से आ रहा था, जिससे बचने के लिए प्रदर्शनकारी रास्ते से हट गए और फिर ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की। घटना के बाद ट्रक को कुछ ही ब्लॉक दूर रोक लिया गया। ट्रक की खिड़की और साइड के शीशे टूटे हुए थे।

भारत की मदद से श्रीलंका के उत्तरी भाग में रेलवे ट्रैक की बहाली का काम शुरू

चक्रवात से हुआ था नष्ट

श्रीलंका (एजेंसी)। चक्रवात दित्वाह से प्रभावित श्रीलंका में भारत की मदद से उत्तरी रेलवे ट्रैक की बहाली शुरू हो गई है। महावा जंक्शन से ओमानथाई तक क्षतिग्रस्त लाइन का पुनर्निर्माण भारत के ऑपरेशन सागर बंधु के तहत हो रहा है। चक्रवात से प्रभावित श्रीलंका में भारत की सहायता से उत्तरी रेलवे ट्रैक की बहाली का काम शुरू हो गया है। नई दिल्ली ने महावा जंक्शन से ओमानथाई तक चक्रवात से क्षतिग्रस्त उत्तरी रेलवे लाइन के पूर्ण पुनर्निर्माण के लिए पूरी सहायता प्रदान की है। भारत ने श्रीलंका में राहत, पुनर्वास सहायता प्रदान करने और संपर्क बहाल करने के लिए 28 नवंबर को 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया। परिवहन मंत्रालय ने कहा कि कार्य प्रारंभ समारोह में कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा और परिवहन मंत्री बिमल रत्नायका उपस्थित थे। मंत्रालय के अनुसार, भारत द्वारा दिए

गए 50 लाख अमेरिकी डॉलर के अनुदान से उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में महावा जंक्शन पर रविवार को जीर्णोद्धार कार्य शुरू हुआ। यह भारत द्वारा श्रीलंका को दिए जाने वाले 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की शुरूआत का प्रतीक है। श्रीलंका नवंबर में चक्रवात दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित हुआ था, जिससे व्यापक बाढ़ और भूस्खलन हुआ था और 600 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। तमिल नव वर्ष से पहले पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद विदेश मंत्री एस जयशंकर की श्रीलंका यात्रा के दौरान इस पैकेज की घोषणा की गई। इसमें 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रियायती ऋण रेखाएं और 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान शामिल है। श्रीलंका रेलवे के अनुसार, पुनर्निर्मित रेलवे लाइन के 14 अप्रैल को सिंहली और तमिल नव वर्ष से पहले पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।